दैनिक

साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 194 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, शनिवार, 5 जुलाई, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 5 जुलाई को ग्वालियर में समरसता सम्मेलन में होंगे शामिल

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समाज के सर्वांगीण विकास और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की सामाजिक समरसता की भावना के अनुसार सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रदेश के सामाजिक परिदृश्य में तेजी से सकारात्मक बदलाव आ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि विकास की मुख्यधारा में हर वर्ग को साथ लेकर चलने से ही सामाजिक एकता मजबूत होती है। सामाजिक समरसता ही वह भावना है जो कठिन परिस्थितियों में भी परस्पर सहयोग और मदद के लिए प्रेरित करती है। सशक्त समाज से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में ग्वालियर में शनिवार को 'समरसता कार्यक्रम' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर के जौरासी गांव में बनने वाले अंबेडकर धाम का भूमि-पूजन करेंगे। यह स्थल सामाजिक समरसता, न्याय और समानता के प्रतीक डॉ. अंबेडकर के विचारों का जीवंत केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री इस अवसर पर विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरित करेंगे, सामाजिक समरसता की शपथ दिलाएंगे और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले नागरिकों को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में सामाजिक एकता पर विषय विशेषज्ञ अपने विचार व्यक्त करेंगे। इस अवसर पर सहभोज का आयोजन भी किया गया है।

एअर इंडिया ने 12 जून को हुई विमान दुर्घटना के दो तिहाई पीड़ितों को मुआवजा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी | एअर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लगभग दो-तिहाई पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा दे दिया गया है. एअर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है.

एअर इंडिया ने शुक्रवार (04 जुलाई, 2025) को कहा कि उसने अहमदाबाद में 12 जून को हुए विमान हादसे में मारे गए लगभग दो-तिहाई पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा दे दिया है. अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा एअर इंडिया ड्रीमलाइनर विमान 12 जून को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार लोगों के साथ जमीन पर मौजूद लोग भी चपेट में आ गए और 260 लोगों की मौत हो गई.

दो-तिहाई परिवारों को मिल चुका है मुआवजा - एअर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैम्पबेल विल्सन ने एयरलाइन कर्मचारियों को एक आंतरिक पोस्ट में जानकारी दी, 'हमारी टीम परिवारों को अंतरिम मुआवजा दिलाने में मदद कर रही है. पीड़ित परिवार को एअर इंडिया के प्रतिनिधि की तरफ से सीधे सहायता दी जा रही है, जिनमें से लगभग दो-तिहाई परिवारों को पहले ही भुगतान मिल चुका है या उनका भुगतान अंतिम चरण में है.'

बहनों को रक्षाबंधन में मिलेगा 250 रुपये का शगुन

दीपावली के बाद बहनों को हर महीने देंगे 1500 रुपए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

» सिंगरौली को जल्द मिलेगी मेडिकल कॉलेज की सौगात

» 503 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाले 54 कार्यों का हुआ लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

» गुरु पूर्णिमा पर स्कूल भवनों सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंगरौली प्रदेश का सीमावर्ती, खनिज सम्पन्न और सर्वप्रिय जिला है। सिंगरौली को शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने वाली है। अगले साल से यहां पढ़-लिखकर डॉक्टर निकलेंगे। आज प्रदेशभर के 94 हजार 234 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि ट्रांसफर की गई है। इसमें 60 प्रतिशत छात्राएं और 40 प्रतिशत छात्र शामिल हैं। राज्य सरकार जनजातीय अंचल में सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। बीते 2 साल में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को 15 हजार से अधिक स्कूटी बांटी गई हैं। हमारी सरकार सबके चतुर्दिक विकास के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को सिंगरौली जिले के सरई गांव में महिला सशक्तिकरण तथा जनजातीय गौरव सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। कुछ दिनों बाद 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा है, इस दिन प्रदेश के सभी स्कूल-कॉलेज, हॉस्टल सहित बच्चों की सुविधा से जुड़े निर्माण कार्यों का एक साथ लोकार्पण होगा। शासकीय स्कूलों के बच्चों को साइकिल, ड्रेस और किताबों का वितरण भी किया जाएगा।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत लैपटॉप राशि अंतरण समारोह में हुए शामिल

शिक्षा से नई सोच, नई तकनीक और आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त होता है : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि किसी भी व्यक्ति, समाज या राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा अनिवार्य है। जब तक लोग शिक्षित नहीं होंगे, वे न तो अपने अधिकारों को समझ पाएंगे और न ही अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन कर पाएंगे। शिक्षा से नई सोच, नई तकनीक और आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त होता है। आधुनिक युग में शिक्षित होना बहुत जरूरी है। शिक्षा तरक्की का आधार है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप राशि अंतरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत कक्षा 12 वीं के एमपी बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक लाने वाले विद्याथियों को लैपटॉप खरीदने के लिए राज्य सरकार द्वारा 25 हजार रूपये की राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा विद्यार्थी को उच्च शिक्षा व आगे की पढाई करने के लिए यह लैपटॉप काफी मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि कमजोर तबके के विद्यार्थी भी कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, इंजीनियर, डॉक्टर जैसे अच्छे पदो में जाए इसके लिए हर संभव मदद की जा रही है, किसी भी स्थिति में शिक्षा के लिए आर्थिक संकट नही होने दिया जाएगा। विद्यार्थी अच्छी मेहनत और लगन से पढाई करें। असफलता भी मिल जाए तो निराश नही होना चाहिए, उस असफलता होने का कारण खोजे और सुधार करे तो सफलता अवश्य मिलती है।

वाउ अवार्ड एशिया की टीम भोपाल आकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदान करेंगी अवार्ड

विक्रमोत्सव-2025 को मिला एशिया का वाउ गोल्ड अवार्ड

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के प्रतिष्ठित आयोजित विक्रमोत्सव-2025 को वाउ अवार्ड एशिया 2025 द्वारा एशिया के शासकीय समारोह की विशेष श्रेणी में गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। वाउ अवार्ड एशिया की टीम भोपाल आकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को यह अवार्ड प्रदान करेंगी। विगत वर्ष विक्रमोत्सव-2024 को एशिया का बिगेस्ट रिलीजियस अवार्ड मिल चुका है।

विक्रमोत्सव-2025 को यह सम्मान मिलने पर मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार एवं महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने इसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संस्कृति और विरासत के प्रति उनके समर्पण का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि विक्रमोत्सव 2025 को प्राप्त यह सम्मान न केवल मध्यप्रदेश बल्कि समस्त भारतवर्ष के लिए गौरव का विषय है। विक्रमोत्सव एक आयोजन मात्र नहीं है बल्कि इन सबसे बढ़कर संस्कृति, विरासत और विकास का बेजोड़ संगम हैं। बीते 18 वर्षों से निरंतर विक्रमोत्सव का आयोजन किया जाता रहा है। विगम वर्षों में विक्रमोत्सव ने देश के सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी उत्सवधर्मी पहचान को बखूबी स्थापित किया है। इसमें ना केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय भागीदारी भी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि WOW Awards Asia, वर्ष 2009 से लाइव इवेंट्स के क्षेत्र में उत्कृष्टता और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाला एक प्रतिष्ठित मंच रहा है। यह आयोजन अनुभव आधारित विपणन, व्यापारिक बैठकों, प्रोत्साहन यात्राओं, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों, सजीव मनोरंजन तथा विवाह उद्योग जैसे क्षेत्रों में कार्यरत संस्थाओं और आयोजनों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्रदान करता है। इस वर्ष इसका 16वाँ संस्करण, 20 और 21 जून 2025 को मुंबई स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में भव्य रूप से आयोजित किया गया।

'घरेलू मामलों में हस्तक्षेप बंद करें', रिजिजू ने किया दलाई लामा का समर्थन तो बौखलाया चीन

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने गुरुवार (3 जुलाई) को कहा कि अगले दलाई लामा पर फैसला सिर्फ स्थापित संस्था और दलाई लामा लेंगे. उन्होंने कहा कि इस फैसले में कोई और शामिल नहीं होगा.

चीन ने शुक्रवार (4 जुलाई, 2025) को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई कि दलाई लामा को अपनी इच्छानुसार उत्तराधिकारी का चुनाव करना चाहिए. चीन ने भारत से तिब्बत से संबंधित मुद्दों पर सावधानी से काम करने का आह्वान किया, ताकि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार पर इसका प्रभाव न पड़े.

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने रिजिजू की टिप्पणियों को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए प्रेस वार्ता में कहा कि भारत को 14वें दलाई लामा की चीन विरोधी अलगाववादी प्रकृति के प्रति स्पष्ट होना चाहिए और शिजांग (तिब्बत) से संबंधित मुद्दों पर अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करना चाहिए. चीन तिब्बत का उल्लेख शिजांग के नाम से करता है.

पीएम मोदी को मिला त्रिनिदाद-टोबैगो का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, बोले- 'यह हमारे विशेष संबंधों की गहराई'

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली| प्रधानमंत्री मोदी को त्रिनिदाद एंड टोबैगो का सर्वोच्च सम्मान मिला. यह उनका 25वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है. उन्होंने कहा कि हम साथ मिलकर काम करते रहेंगे.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को त्रिनिदाद और टोबैगो सरकार ने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो' से सम्मानित किया है. पीएम मोदी ने वहां की सरकार और लोगों का आभार व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि मैं इस सम्मान को 140 करोड़ भारतवासियों की ओर से एक साझा गौरव के रूप में स्वीकार करता हूं.

'मजबूत देशों के पास वीर सेना समेत होने चाहिए 6 चीजें' - पीएम मोदी ने कहा, 'यह बहुत गर्व का विषय है कि भारतीय समुदाय की ओर से हमारी साझी परंपरा, संस्कृति और रीति-रिवाजों को आज भी संजो कर रखा गया है. दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक मेलजोल कदम-कदम पर दिखाई देता है. राष्ट्रपति कंगालू जी के पूर्वज संत तिरुवल्लुवर जी की धरती तमिलनाडु से थे. उन्होंने कहा था कि मजबूत देशों के पास 6 चीजें होनी चाहिए- वीर सेना, देशभक्त नागरिक, संसाधन, अच्छे जन प्रतिनिधि, मजबूत डिफेंस और ऐसे मित्र देश जो हमेशा साथ खड़े रहें.'

हिंदुओं का ये रूप देखकर ट्रंप भी हैरान! अमेरिका में 100 साल पुराने चर्च को बना दिया मंदिर

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली| स्वामी नारायण संप्रदाय ने 180 करोड़ रुपए में खरीदा फिर दो साल के अंदर इस चर्च को मंदिर में बदल दिया। इस चर्च को मंदिर में बदलने के दौरान इसकी वास्तुकला में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। इस मंदिर में भारतीय मंदिरों जैसे गुंबद और शिखर जैसी स्थापिय शैली का इस्तेमाल किया गया है। इस मंदिर की कुल जमीन 4.13 एकड़ है। जबकि मंदिर परिसर जो पहले एक चर्च था वो 19 हजार वर्ग फुट में फैला हुआ है।

अमेरिका के एक 100 साल पुराने चर्च को मंदिर में बदल दिया गया है। यहां पर भगवान की मूर्तियां स्थापित हो चुकी हैं और हिंदुओं ने पूजा पाठ भी शुरू कर दिया है। आपने आज से पहले कई बार लोगों के धर्म परिवर्तन की बात सुनी होगी। कई बार ये धर्म परिवर्तन स्वेच्छा से होता है तो कई बार डरा-धमकाकर लालच देकर भी इसे कराया जाता है। लेकिन अमेरिका में चर्चा के धर्म परिवर्तन की खबर इससे बिल्कुल अलग है।अमेरिका के ओहवो राज्य के क्लीवलैंड में इस मंदिर का निर्माण किया गया है। ये मंदिर पहले एक 100 साल पुराना एक चर्च था। जिसे स्वामी नारायण संप्रदाय ने 180 करोड़ रुपए में खरीदा फिर दो साल के अंदर इस चर्च को मंदिर में बदल दिया। इस चर्च को मंदिर में बदलने के दौरान इसकी वास्तुकला में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। इस मंदिर में भारतीय मंदिरों जैसे गुंबद और शिखर जैसी स्थापिय शैली का इस्तेमाल किया गया है। इस मंदिर की कुल जमीन 4.13 एकड़ है। जबकि मंदिर परिसर जो पहले एक चर्च था वो 19 हजार वर्ग फुट में फैला हुआ है।

विदेशों में बसे हिंदुस्तानी किस तरह अपनी संस्कृति को भारत से बाहर मजबूत कर रहे हैं वो आपके इस खबर से पता लग गया होगा। पुराने भवन को मंदिर के लिए उपयुक्त बनाने के लिए जीर्णोद्धार पर लगभग 1 मिलियन डॉलर की लागत आई, जबकि चर्च की वास्तुकला में कोई बदलाव नहीं किया गया।

'1 बॉर्डर, 3 दुश्मनों से मुकाबला', ऑपरेशन सिंदूर पर सेना बोली- 'चीन-तुर्किए थे पाकिस्तान के साथ'

चीनी हथियारों पर निर्भर पाकिस्तान भारत के लिए एक बढ़ती सुरक्षा चुनौती बन गया है. जानिए ऑपरेशन सिंदूर, चीन-पाकिस्तान सैन्य संबंधों और भारत की रणनीतिक प्रतिक्रिया की पूरी कहानी.

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | भारतीय सेना ने साफ किया कि पाकिस्तान की सैन्य क्षमता का 81% हिस्सा चीन से आयातित हथियारों पर निर्भर है. लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह के अनुसार, चीन पाकिस्तान को एक लाइव लैब की तरह इस्तेमाल कर रहा है, जहां वह अपनी नई तकनीकों और हथियार प्रणालियों की युद्ध स्थितियों में परीक्षण करता है. उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन पाकिस्तान को हमारी सैन्य गतिविधियों की सीधी जानकारी भी मुहैया करा रहा था, जब दोनों देशों के बीच DGMOs की बातचीत चल रही थी. यह साइबर और खुफिया युद्ध के क्षेत्र में भी बढ़ते हस्तक्षेप को दर्शाता है.

लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह के अनुसार कहा कि भारत आज एक दोहरे मोर्चे (Two-Front Challenge) की स्थिति में है. पश्चिम में पाकिस्तान, जो आक्रामक नीति और आतंक के सहारे अपनी रणनीति चला रहा है. उत्तर में चीन, जो तकनीकी, सामरिक और रणनीतिक मोर्चों पर पाकिस्तान को पूरी सहायता दे रहा है. लेफ्टिनेंट जनरल सिंह के अनुसार हमारे पास एक सीमा और दो विरोधी थे, वास्तव में तीन है. पाकिस्तान सबसे आगे था. चीन हर संभव सहायता दे रहा था. इसके अलावा तुर्किए भी है, जो कई तरह के हथियार मुहैया कर रहा था.

'ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने लिया बदला

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई, के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत एक तीव्र और योजनाबद्ध जवाब दिया. लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने बताया कि कुल 21 संभावित आतंकी ठिकानों की पहचान की गई थी. इनमें से 9 टारगेट्स को अंतिम क्षणों में हमले के लिए चुना गया. हमलों में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए.डेटा का इस्तेमाल करके लक्ष्य निर्धारण किया गया, जिसमें टेक्नोलॉजी और मानव खुफिया दोनों शामिल थे. यह ऑपरेशन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) और पाकिस्तान के भीतर कई आतंकी शिविरों को नष्ट करने में सफल रहा और एक रणनीतिक संदेश भी दे गया भारत अब सहन नहीं करेगा.

चीन से मिली सैन्य सहायता

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) के अनुसार, 2015 से अब तक चीन ने पाकिस्तान को लगभग 8.2 बिलियन डॉलर के हथियार बेचे हैं. 2020-2024 के बीच, चीन के हथियार निर्यात का 63% हिस्सा सिर्फ पाकिस्तान को गया. पाकिस्तान के आधे से ज्यादा लड़ाकू विमानों का बेड़ा चीन से आया है, जिनमें JF-17 थंडर (चीन-पाक सहविकसित), J-10C मल्टीरोल फाइटर. अब पाकिस्तान 40 शेनयांग J-35 स्टील्थ फाइटर भी शामिल करने की योजना बना रहा है. इन हथियारों के जरिए पाकिस्तान को स्टील्थ क्षमता मिल जाएगी, जो अब तक केवल गिनी-चुनी वैश्विक शक्तियों के पास है.

सवारी मार्ग के हाल-बेहाल

जगह-जगह सीवरेज के काम के लिए खोद रखी सड़कें

उज्जैन (संवाददाता)। शहर में बुधवार को हुई बारिश से महाकाल सवारी मार्ग पर लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ढाबारोड-दानीगेट मार्ग पर सीवरेज के लिए खोदी गई सड़क पानी से भर गई, जिसके चलते यहां गड्ढे में एक यात्री की कार फंस गई, जिसे लोगों ने मदद कर गड्ढे से निकलवाया। इसके कुछ देर बाद देखते ही देखते दो से तीन ई-रिक्शा वाले भी सवारी से भरी गाड़ी समेत गड्ढे में फंस कर पलट गए, राहगीरों व स्थानीय लोगों ने मदद कर इन्हें निकाला। इस समय सवारी मार्ग सीवरेज की लाइन डालने के लिए सड़क खुदाई होने से बदहाल है और ऐसे में बारिश ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। जब बारिश में सीवरेज के गड्ढे वाली सड़क वाहन चालकों को नहीं दिखी और वे हादसे का शिकार होने लगे तो आक्रोशित लोगों ने जनप्रतिनिधियों समेत नगर निगम व प्रशासन के अफसरों को फोन घनघनाएं। कुछ देर बाद ट्रैफिक पुलिस ने सीवरेज के खुदाई वाले मार्ग को स्टॉपर लगाकर बंद किया, जिससे कि लोग हादसे का शिकार न हो।

मौके के स्थिति पता करने के लिए अमले के साथ सुबह यहां कलेक्टर रोशनकुमार सिंह भी पहुंचे व निगम अधिकारियों से बात कर समय सीमा में सवारी मार्ग को ठीक करने के निर्देश दिए।

केडीगेट चौराहा का चैंबर ढंका नहीं, जलमग्न हुआ, वाहन फंसने से परेशान हुए

केडीगेट चौराहा पर बुधवार को खुले चैंबर में दो युवक बाइक समेत गिर गए। बड़ी मशक्कत के बाद लोगों की मदद से दोनों निकल पाए। बता दें कि उक्त चैंबर कई महीनों से खुला है और नगर निगम के जिम्मेदारों को लोगों ने शिकायत तक की। खुले चैंबर के फोटो भी भेजे लेकिन ध्यान नहीं दिया, जिसकी वजह से बुधवार को बारिश से क्षेत्र जलमग्न होने पर उक्त खुला चैंबर बाइक सवार युवकों को दिखा नहीं व वे उसमें गिर गए। दोनों को चोट भी आई।

पत्र में लिखा- सवारी मार्ग पर भी डॉक्टर की टीम तैनात रहे

एएसपी नीतेश भार्गव ने बताया पुलिस ने नगर निगम, स्मार्ट सिटी तथा स्वास्थ्य विभाग को चिट्ठी लिखी है। महाकाल सवारी मार्ग जल्द ठीक करे। इसके अलावा नगर निगम सवारी मार्ग पर जितनी भी नाले-नालियां खुले हैं, उन्हें ढंकवाए, क्योंकि सवारी के दौरान लोग यहां बड़ी संख्या में जुटेंगे। तीसरा स्वास्थ्य विभाग सिर्फ सवारी में ही एम्बुलेंस व डॉक्टरों की टीम न रखे, बल्कि सवारी मार्ग पर 8 से 10 जगह डॉक्टर्स की टीमें तैनात की जाए।

सड़क कार्य के चलते चैंबरों का स्थाई सुधार नहीं हो रहा

लोहे के पुल, गोंसा दरवाजे, जूना सोमवारिया, केडी गेट सहित कई जगहों पर चैंबर खुले पड़े हैं, जिसकी शिकायत पहले भी कई बार हो चुकी है लेकिन सुधार कार्य नहीं हो पा रहे। मामले में निगम आयुक्त आशीष पाठक ने कहा कि चैंबरों का सुधार कार्य हो रहा है। कई जगह पर सड़कों का निर्माण चल रहा है, ऐसे में स्थाई कार्य नहीं कर सकते लेकिन सुविधा की दृष्टि से व्यवस्था की जा रही है।

वॉटरफॉल में जान जोखिम में डाल रहे लोग, क्योंटी और चचाई में रेलिंग तक नहीं, एयरफोर्स जवान की हुई थी मौत

रीवा (संवाददाता)। इन दिनों बारिश के मौसम के चलते रीवा में जलप्रपातों की रौनक बढ़ गई है। पूर्वा, क्योंटी, चचाई समेत कई प्रमुख जलप्रपातों पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। लेकिन हर साल यहां हादसे भी बढ़ते जा रहे हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते हैं। क्योंटी और चचाई जैसे खतरनाक जलप्रपातों पर तो रेलिंग तक नहीं है। लोग एडवेंचर या रील बनाने के चक्कर में जान जोखिम में डाल रहे हैं, जिसका वीडियो भी सामने आया है, जो एक या दो दिन पुराना बताया जा रहा है। हालांकि इसकी पुष्टि दैनिक भास्कर नहीं करता। बता दें कि हाल ही में एक एयरफोर्स के जवान की मौत हो गई थी। दरअसल, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में तैनात पांच वायुसेना के जवान रविवार, 29 जून को दोपहर करीब 4 बजे क्योंटी जलप्रपात घूमने पहुंचे थे। सभी नहाने के लिए जलप्रपात के नीचे बने गहरे कुंड में उतरे। इसी दौरान एक जवान का पैर फिसला और वह तेज बहाव में बहकर गहरे पानी में चला गया। घटना की जानकारी मिलते ही हृष्ठक्रस्न, स्ष्ठक्रस्न और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। देर रात तक सर्च ऑपरेशन चला और सोमवार सुबह जवान का शव बरामद कर लिया गया।

स्थायी सुरक्षा इंतजाम अब भी नहीं

स्थानीय लोग और पर्यटक मानते हैं कि प्रशासन को जलप्रपात जैसे खतरनाक स्थानों को %रेड जोन% घोषित कर स्थायी सुरक्षा इंतजाम करने चाहिए। लेकिन अब तक न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए, न ही प्रशिक्षित गोताखोरों की तैनाती की गई है। हादसे के बाद ही कुछ दिन के लिए व्यवस्था दिखती है, फिर स्थिति पहले जैसी हो जाती है।

सेवानिवृत्ति पर व्याख्याता कचोले का सम्मान

उज्जैन (संवाददाता)। शासकीय उमावि सिंधी कॉलोनी हामूखेड़ी में वरिष्ठ व्याख्याता गोविंदप्रसाद कचोले अपनी 38 वर्ष 6 माह की शासकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित कर विदाई दी गई ।मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय की शिक्षिका मंजू कचोले, अशोक सक्सेना, बालेंदु दुबे थे। अध्यक्षता संस्था प्राचार्य देवेंद्र शुक्ला ने की। अतिथियों ने मां सरस्वती का पूजन कर दीप प्रज्वलन किया। सरस्वती वंदना प्रीति व्यास ने प्रस्तुत की। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजक समता निगम ने दिया। विद्यालय परिवार की ओर से कचोले का अभिनंदन पत्र, शाल, श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। अभिनंदन पत्र का वाचन अशोक भावसार ने किया। इस अवसर पर नवागत शिक्षक लक्ष्मी निगवाल, श्वेता भाटी का स्वागत संस्था प्राचार्य ने किया। संचालन अभय जोशी ने किया। आभार प्रतिज्ञा तिवारी ने माना। इस अवसर पर पूर्णिमा द्विवेदी, सीताराम वास्कले, डॉ. प्रीति कथूरिया, मोहन मालवीय, सीमा मालवीय, कीर्ति शर्मा, वंदना परिहार, राजकुंवर सोलंकी, सीमा शर्मा, संध्या दीक्षित, दिनेश व्यास, अलखरमन शर्मा उपस्थित थे।

शाखा भवन पर ध्वजारोहण कर मनाया चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस

उज्जैन। आईसीएआई की उज्जैन शाखा ने 77वां चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस मनाया। इस अवसर पर मंगलवार सुबह शाखा भवन पर ध्वजारोहण किया गया, वहीं शाम को गाला डिनर में 125 से अधिक सदस्यों ने परिवार सहित सहभागिता की। इस अवसर पर देवास, आगर और बड़नगर से भी सीए सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। शाखा अध्यक्ष सीए अकृत जैन ने बताया आयोजन सीए समुदाय के बीच नेटवर्किंग और एकता को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। शाखा की प्रबंधन समिति के सीए अनीश चौधरी, आशीष तोतला, आतुष जैन, मनीष राठी और सीए रितेश तलरेजा के समर्पण और निरंतर मेहनत के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

21 वार्ड में होगा काम, 16.50 किमी सीवरेज नेटवर्क बिछाया

उज्जैन (संवाददाता)। अमृत 2.0 के तहत शहर की सीवरेज परियोजना का काम चल रहा है। प्रोजेक्ट के तहत उन वार्डों को लिया है, जो कि अमृत 1.0 प्रोजेक्ट में छूट चुके हैं। परियोजना का टेंडर अप्रैल में होकर काम शुरू हो गया है व जून तक 16.50 किमी क्षेत्र पर सीवरेज नेटवर्क बिछाया जा चुका है। दरअसल अमृत 1.0 का काम काफी धीमी रफ्तार से हुआ है व अब तक पूरा नहीं हो पाया है। इसके चलते पिछले प्रोजेक्ट्स में आई चुनौतियों और परेशानियों को देखते हुए इस प्रोजेक्ट की तैयारी को पूरा किया जा रहा है। अमृत 2.0 के तहत पीलियाखाल नाले की तरफ बहाव वाले नगर निगम क्षेत्र के लिए 308.83 करोड़ का सीवरेज का कार्य किया जाना है, जिसमें 21 वार्डों का कार्य भी शामिल हैं। 10 वार्डों में वार्ड क्र. 1, 3, 4, 5, 17, 39, 40, 41, 43, 54 में पूर्ण रूप से कार्य किया जाएगा। 11 वार्डों में वार्ड क्र. 2, 6, 12, 18, 33, 38, 42, 44, 48, 52, 53 में आंशिक रूप से कार्य किया जाना प्रस्तावित है, जिससे लगभग 2 लाख 56 हजार शहरवासी को लाभ होगा।

रीवा में 65 नई डायल 108 एम्बुलेंस धूल खा रहीं- हैंडओवर नहीं होने से मरीजों को नहीं मिल रही सुविधा, बिना एम्बुलेंस मरीज की हुई थी मौत

रीवा (संवाददाता)। रीवा शहर में सरकार की फोटो और लोगो लगी करीब 65 108 एम्बुलेंस पिछले कई महीनों से एक वर्कशॉप में धूल खा रही हैं। हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी न होने से ये गाड़ियां मरीजों के काम नहीं आ पा रही हैं। इन्हें अब तक स्वास्थ्य विभाग को सौंपा नहीं गया है। सीएमएचओ संजीव शुक्ला ने बताया, जय अंबे एजेंसी द्वारा संचालित इन एम्बुलेंस को हैंडओवर करने को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मुख्यालय भोपाल ने कई बार पत्राचार किया है। हमने भी रीवा से पत्र भेजा है। लेकिन प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो पाई है। गाड़ियां जैसे ही मिलेंगी, स्वास्थ्य विभाग उपयोग शुरू कर देगा। रीवा जिले में एम्बुलेंस सेवा पहले से ही सवालों के घेरे में है। हाल ही में बैकुंठपुर के गुहिया गांव में एम्बुलेंस समय पर न पहुंचने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं, एक अन्य मामले में 108 एम्बुलेंस चालक पर मरीज के परिजन से 800 रुपए मांगने का आरोप लगा। रीवा जिले की आबादी 27 लाख से अधिक है, जिनमें बड़ी संख्या में लोग ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में रहते हैं। ऐसे लोग प्राइवेट एम्बुलेंस का खर्च नहीं उठा सकते। 108 सेवा की एम्बुलेंसें खड़ी रहने से मरीजों की दिक्कतें और बढ़ गई हैं। शहर से करीब 5 किलोमीटर दूर एक वर्कशॉप में 60 से अधिक एम्बुलेंस खड़ी हैं। ये सभी 4-5 साल पुरानी और छत्तीसगढ़ पासिंग हैं।

मौसम में नमी होने से फसल में बीमारियां लगने की आशंका

उज्जैन। जिले में इस साल खरीफ मौसम में 5.129 लाख हेक्टेयर में फसल लगाने का लक्ष्य रखा है। कृषि विभाग ने बताया मुख्य रूप से सोयाबीन फसल लगाई जाएगी, जिसका लक्ष्य 5.06 लाख हेक्टेयर तय है। सोयाबीन बुआई पूर्णता की ओर है। वर्तमान में फसल की आवश्यकतानुसार वर्षा हो रही है। जिले में 137.2 मिली वर्षा हो चुकी है। कहीं पर जलभराव की स्थिति हो तो किसान जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। पिछले 3 से 4 दिनों से हल्की बारिश हो रही है, जिससे मौसम में नमी अधिक होने से कुछ फसल में कुछ बीमारियां लगने की संभावना हो सकती है। इसके नियंत्रण के लिए खेत की निगरानी रखे, कहीं पर भी सोयाबीन की फसल में असमान स्थिति दिखने पर कृषि विज्ञान केंद्र उज्जैन के वरिष्ठ वैज्ञानिकों से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

रोटरी ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

जबलपुर (संवाददाता)। गत दिवस रोटरी क्लब जबलपुर संस्कारधानी और अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जबलपुर इकाई द्वारा संयुक्त रूप से रानी दुर्गावती हॉस्पिटल (एल्गिन हॉस्पिटल) में रक्तदान महा शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान महा शिविर में रोटेरियंस और वैश्य समुदाय के अलावा अन्य रक्तदाताओं ने 34 यूनिट रक्तदान कर प्रेरणादायक और अनुकरणीय समाज सेवा तथा मानव सेवा के कर्तव्य का निर्वहन किया। नितिन जैन ने बताया की इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र दिये गये तथा रक्तदाता वैश्य समुदाय के सदस्यों को आजीवन सदस्यता प्रदान की गयी। इस रक्तदान महा शिविर रोटरी क्लब संस्कारधानी से अरुण गुप्ता, अजय अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, मदन मोहन नेमा, अनिल अग्रवाल, अरविंद गुप्ता, मनोज खैरा, सुरेश विश्नोई, समर्थ अग्रवाल, पुष्पा ददरया, गोमती गुप्ता, डॉ सरिता साहू, निधि जैन, पूर्व अध्यक्ष अशोक समर, समीर सुनील, पारस, तल्लिन, अमित, अरुण, विक्रांत,अंजुल, शैलेष, मनीष रोटरी क्लब संस्कारधानी टीम और अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की टीम का सराहनीय योगदान रहा।

5 जुलाई को निकलेगी इस्कॉन की वापसी रथ यात्रा- भगवान ने गुंडिचा मंदिर में 7 दिन किया विश्राम

अब कालिदास अकादमी से प्रारंभ होगी यात्रा

उज्जैन (संवाददाता)। भगवान जगन्नाथ की अब अपने घर वापसी होगी। 27 जून को इस्कॉन मंदिर से निकली यात्रा में भगवान जगन्नाथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे। यहां 7 दिन विश्राम किया और अब 5 जुलाई को शाम 4 बजे वापसी रथयात्रा निकाली जाएगी। रथ यात्रा कालिदास अकादमी से प्रारंभ होगी और अपना स्वीट, देवास रोड, महाश्वेता रोड (स्पोर्ट्स एरीना) के सामने से बिरला चौराहा होते हुए इस्कान मंदिर पहुंचेगी। इस्कॉन उज्जैन के कम्युनिकेशन डायरेक्टर राघव पंडित दास ने बताया कि कालिदास अकादमी परिसर में भव्य गुंडिचा मंदिर की स्थापना की गई है। जहां प्रतिदिन आरती, कथा, कीर्तन, प्रसाद वितरण व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हो रही हैं। वापसी रथयात्रा में तासा पार्टी, डीजे, कीर्तन मंडली, नृत्य मंडली, रथ, प्रसाद वाहन, पानी के टैंकर सहित बड़ी संख्या में भक्त शामिल होंगे। सभी श्रद्धालु एवं नगरवासी इस दिव्य एवं ऐतिहासिक वापसी रथ यात्रा में सहभागी बनते हुए पुण्य लाभ लेने के लिए सभी भक्तों को आमंत्रित किया है। जगन्नाथ भगवान का प्राकट्य, भगवान जगन्नाथ की समरसता का संदेश देती हुई चित्र प्रदर्शनी के दर्शन होंगे।

7 जुलाई तक निकाली जाएंगी यात्राएं

इस्कॉन ने समूचे संसार में रथ यात्रा का प्रवर्तन दर्शाते हुए प्रदर्शनी लगाई है, यात्रा के दौरान वह भी देखने को मिलेगी। 3 जुलाई को इस्कान उज्जैन द्वारा डिंडोरी, मनासा, आष्टा और बड़वानी और 4 जुलाई को टीकमगढ़, राजेन्द्र ग्राम और वारासिवनी (बालाघाट), 5 जुलाई को उज्जैन में वापसी रथ यात्रा, अनूपपुर और नीमच में यात्रा, 6 जुलाई को बदनावर में 7 जुलाई को आगर और तराना में रथ यात्राएं निकाली जाएंगी।

रीवा में 341 सिलेंडर से भरा ट्रक सड़क में धंसा- 15 घंटे बाद भी नहीं पहुंचा पुलिस-प्रशासन, स्थानीय लोग कर रहे निगरानी

रीवा (संवाददाता)। बारिश के बाद रीवा जिले में सड़कों की हालत खराब हो गई है। बुधवार को ललपा इलाके में निर्माणाधीन सड़क धंसने से सिलेंडर से भरा एक ट्रक जमीन में धंस गया। ट्रक में 341 भरे हुए स्लक्र सिलेंडर लोड थे। घटना के 15 घंटे बाद भी प्रशासन की कोई मदद नहीं पहुंची थी, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। बताया गया कि ट्रक सतना से सीधी जा रहा था। ललपा में निर्माणाधीन सड़क पर कोई चेतावनी बोर्ड या संकेतक नहीं लगाया गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि कंपनी की लापरवाही से यह स्थिति बनी।

सामने गाय आई, बचाने के लिए ट्रक किनारे किया

ट्रक चालक अवधेश यादव ने बताया, मैं रात में ट्रक लेकर गुजर रहा था, तभी सामने गाय आ गई। उसे ब, लेकिन सड़क समतल दिखने के बावजूद नीचे से धंसी हुई थी। ट्रक के पहिए जमीन में समा गए। ट्रक भारी था, इसलिए और भी धंस गया। उन्होंने कहा कि ट्रक में लोड सिलेंडरों की वजह से बड़ा हादसा हो सकता था।

स्थानीय लोग कर रहे निगरानी

स्थानीय निवासी ऋतुराज वासुदेव ने बताया कि ट्रक रिहायशी इलाके के पास फंसा है। अगर कुछ सिलेंडर भी फट जाते तो महिलाओं और बच्चों की जान पर बन आती। लोग निगरानी कर रहे हैं क्योंकि कुछ असामाजिक तत्व ट्रक के पास बीड़ी फेंक चुके हैं।

रीवा में मानसिक रूप से कमजोर किशोरी से रेप

रीवा । रीवा के जवा थाना क्षेत्र में एक मानसिक रूप से कमजोर नाबालिग के साथ रेप का मामला सामने आया है। वारदात का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता ने पेट दर्द की शिकायत की और जांच में उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पीड़िता के परिजन उसे पेट दर्द की शिकायत पर स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास ले गए। डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि किशोरी गर्भवती है। विशेषज्ञ की सलाह पर पीड़िता को गांधी मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। अस्पताल की एसजीएमएच चौकी से पहुंचे पुलिसकर्मियों ने पीड़िता के बयान दर्ज किए। पीड़िता ने बताया कि पड़ोसी ने उसके साथ रेप किया और उसके दोस्त ने उसका साथ दिया। पुलिस ने बुधवार रात चौकी में प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज कर मामला जवा थाने भेज दिया है। एसपी विवेक सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी पीड़िता का पड़ोसी है।

प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत खंडेलवाल पहुंचे उज्जैन

महाकाल मंदिर में किए दर्शन, भाजपा के स्वागत कार्यक्रम में भी होंगे शामिल

उज्जैन (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल गुरुवार दोपहर श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। अध्यक्ष बनने के बाद उनके प्रथम उज्जैन आगमन पर उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। खंडेलवाल के साथ मंदिर परिसर में भाजपा विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, उज्जैन के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल सहित पार्टी के कई स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंदिर समिति द्वारा खंडेलवाल का पारंपरिक स्वागत किया गया। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा,पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्यार और भरोसे से मुझे यह ज़िम्मेदारी मिली है। मैंने अपने कार्य की शुरुआत बाबा महाकाल के दर्शन से की है। बाबा की कृपा मुझ पर, पार्टी पर और पूरे समाज पर बनी रहे। जब उनसे नई टीम के गठन को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा,यह आगे देखा जाएगा। भाजपा पदाधिकारियों के अनुसार, खंडेलवाल उज्जैन प्रवास के दौरान अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे, जिसमें पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण और कार्यकर्ताओं से संवाद शामिल हैं। उसके पश्चात नानाखेड़ा स्थित दीनदयाल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कालिदास अकादमी में भाजपा नगर द्वारा आयोजित स्वागत कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा । भारतीय जनता पार्टी नगर द्वारा नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के प्रथम बार उज्जैन आगमन पर नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल के नेतृत्व मैं महापौर मुकेश टटवाल की उपस्थिति में भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है।

विमानों की संख्या घटने के साथ ही यात्रियों का आवागमन भी हुआ कम

जून माह में 4 हजार कम रिकार्ड हुए यात्री, मुम्बई फ्लाइट हुई बंद

भोपाल

प्रदेश में इंदौर आज भी फ्लाइट की संख्या के अलावा यात्रियों के आवागमन में नम्बर वन बना हुआ है जबकि किसी समय में 1.50 लाख यात्री क्लब में शामिल राजधानी भोपाल का राजा भोज एयरपोर्ट लगातार विमानों की कटौती एवं यात्रियों की कमी से जूझ रहा है। राजधानी का राजा भोज विमान तल पिछले कई महीनों से 1.50 लाख यात्रियों के क्लब से बाहर है, और यात्रियों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। जहां अप्रैल की तुलना में मई माह में 7500 यात्रियों का अधिक आवागमन हुआ था, वहीं जून माह ने फिर निराश किया और इस महीने लगभग 4 हजार यात्रियों की कमी दर्ज की गई। जहां मई माह में 1,40,750 यात्रियों का आवागमन हुआ, वहीं जून में यह संख्या घटकर 1,36, 744 रह गई है। 30 जून तक जहां 65, 369 यात्रियों का आगमन हुआ वहीं 71, 375 यात्री भोपाल से रवाना हुए। वैसे इस बात पर संतोष किया जा सकता है कि जहां मई का महीना 31 दिनों का था, वहीं जून में 30 दिन ही होते हैं। अब जुलाई चूंकि 31 दिनों का महीना है, ऐसे में इस माह यात्रियों की संख्या में इजाफे की उम्मीद है।

जून 2024 की तुलना में काफी बढ़ोतरी : वैसे पिछले साल की तुलना में इस साल यात्रियों की संख्या में इजाफा भी हुआ है। अगर मई 2025 की तुलना में जून 2025 में लगभग 4 हजार यात्रियों का आवागमन कम हुआ, तो जून 2024 की तुलना में जून 2025 में संख्या कहीं अधिक रही। अगर पिछले साल जून के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो पता चलता है कि इस दौरान 1, 27, 393 यात्रियों का आवागमन हुआ, जबकि जून 2025 में यह संख्या बढ़कर 1,36, 744 रिकार्ड की गई।

गोवा व जयपुर उड़ान भी नहीं

एक जुलाई को जहां जबलपुर फ्लाइट पर पूरी तरह से ब्रेक लग गया वहीं बैंग्लुरू सप्ताह में 7 की जगह 4 दिन करते हुए 3 दिन रायपुर किया गया है। रात 8 बजे मुम्बई के लिए चलने वाली एयर इंडिया की उड़ान को भी आपरेशनल कारणों से 15 दिन के लिए बंद किया गया है। इधर गोवा एवं जयपुर की फ्लाइट का बंद होना यात्रियों की कम संख्या का दूसरा मुख्य कारण माना जा रहा है। अगर पहलगांम घटना नहीं होती साथ ही जयपुर के अलावा गोवा की उड़ान समर कैवेशन में चालू रहती तो फिर राजा भोज विमान तल 1.50 लाख सदस्यता वाले क्लब में शामिल हो जाता। भोपाल व खासतौर पर संत हिरदाराम नगर से बड़ी संख्या में लोग गोवा गए लेकिन उन्होंने या तो इंदौर का रूख किया या फिर व्हाया मुम्बई उड़ान से सफर किया गया जिसकी वजह से हवाई यात्रियों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो सकी। यहां बता दें कि एक दिसम्बर 2024 को सांसद आलोक शर्मा एवं एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने गोवा उड़ान का शुभारंभ किया था जबकि 28 मार्च 2025 को इंडिगो की फ्लाइट ने गोवा के लिए अंतिम उड़ान भरी। वहीं जयपुर फ्लाइट वहां चल रहे रनवे के काम की वजह से 31 जुलाई 2025 तक बंद है।

नवनीत श्रीवास्तव का इमामीगेट हुआ ट्रांसफर

रजनीश रावत बने संत हिरदाराम नगर के नए मैनेजर

भोपाल

लगभग 5 साल तक संत हिरदाराम नगर मे बिजली विभाग का दायित्व संभालने वाले स्थानीय मैनेजर सहायक यंत्री नवनीत श्रीवास्तव का राजधानी में इमामी गेट ट्रांसफर हो गया है, जबकि सीहोर के सहायक यंत्री रजनीव रावत को संत हिरदाराम नगर का दायित्व दिया गया है। संत हिरदाराम नगर में इन दिनों 1.50 करोड़ की लागत से 19 जगहों पर ट्रासफारमर लगाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। इसी बीच बार बार गुल होने वाली बिजली एवं विधायक रामेश्वर शर्मा की नाराजगी व फटकार का नतीजा कहा जाए, या 5 साल से अधिक का कार्यकाल, बिजली विभाग के स्थानीय मैनेजर सहायक यंत्री का तबादला कर दिया गया है, उन्हें भोपाल उत्तर में भेजा गया है, जबकि सीहोर में पदस्थ सहायक यंत्री रजनीश रावत को नया सहायक यंत्री बनाकर स्थानीय मैनेजर का पद दिया गया है, जिन्होंने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। यहां बता दें कि विधायक रामेश्वर शर्मा ने 13 जून को अपने बंगले पर आयोजित समीक्षा बैठक में संत हिरदाराम नगर में बार बार गुल होने वाली बिजली पर न केवल गहरी नाराजगी व्यक्त की थी बल्कि अधिकारियों को फटकार भी लगाई जिसके बाद 17 जून को उपनगर भ्रमण पर भी अधिकारियों से जानकारी ली, तब से लेकर बिजली विभाग के अधिकारी मुस्तैदी से काम में जुट गए हैं।

सहयोग का किया आग्रह : इधर बिजली विभाग का मैनेजर का पद संभालने के बाद इस प्रतिनिधि से मुलाकात के दौरान रजनीश रावत ने कहा कि जहां जहां स्थान चिन्हित किए गए हैं, और जो जगह सरकारी है, निजी नहीं, वहां पर ही ट्रांसफारमर लगाए जा रहे हैं, इसके लिए स्थानीय लोगों को सहयोग करना चाहिए, ताकि इस इलाके को जल्द से जल्द बिजली की समस्या से छुटकारा मिल सके।

शासकीय बालक व कन्या स्कूल परिसर बने तालाब, विद्यार्थी हुए परेशान

बेटा गांव एवं राजेन्द्र नगर में भी जल भराव, बुलानी पड़ी जेसीबी

भोपाल

हालांकि गुरूवार को इतनी अधिक बरसात नहीं हुई जितनी की आशंका थी, लेकिन इससे पूर्व मंगलवार रात से जारी बरसात का दौर बुधवार को भी चलता रहा और दोपहर बाद जाकर थोड़ी बहुत राहत मिली। इस दौरान संत हिरदाराम नगर का एकमात्र खेल मैदान शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यायल एवं प्रेम रामचंदानी मार्ग स्थित शासकीय कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल परिसर पूरी तरह से पानी पानी हो गए जिस कारण विद्यार्थियों के अलावा खिलाड़ियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रभावित हुआ जन जीवन : मंगलवार की देर रात को शुरू हुई बरसात का दौर बुधवार सुबह एवं दिन में भी रूक रूककर जारी रहा, इसमें जहां सामान्य जन जीवन बुरी तरह से अस्त व्यस्त रहा वहीं अनेक बच्चे स्कूल नहीं जा पाए। जहां निजी स्कूलों में उपस्थिति बहुत ही कम रही, वहीं सरकारी स्कूलों में तो एक तरह से अघोषित छुट्टी जैसा माहोल था। इधर लगातार बरसात में प्रेम रामचंदानी मार्ग स्थित शासकीय कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल परिसर में घुटनों तक पानी जमा हो गया और छात्राओं को वहां जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सूना सूना रहा बोरवन : लगभग 70 एकड़ में फैले यहां के आलीशान पंडित दीनदयाल उपाध्याय बोरवन पार्क बुधवार सुबह को पूरी तरह से सूना रहा। जब यह प्रतिनिधि सुबह 7.15 बजे पहुंचा तब वहां एक या दो स्कूटर ही दिखे जबकि सामान्य दिनों में इनकी संख्या 200 से अधिक रहती है और पैदल ही पैदल यहां सुंबह के समय ही लगभग 5 हजार लोग सैर करने आते हैं, जिनमें काफी संख्या महिलाओं की भी होती है पर बुधवार सुबह बोरवन में महिला तो क्या पुरूष भी नजर नहीं आए।

खेल मैदान तालाब में तब्दील

बरसात का आलम यह था कि वार्ड 5 स्थित हायर सेकण्डरी स्कूल के समीप खेल मैदान पूरी तरह से तालाब में तब्दील हो गया। यहां बरसात के कारण हालांकि कोई भी खिलाड़ी खेलने नहीं आया लेकिन खेल मैदान के एक हिस्से में बने विजया राधे सिंधिया इंडोर टेनिस कोट का परिसर पूरी तरह से पानी से लबालब था, जो बच्चे यहां खेलने के लिए आए, उन्हें अंदर जाने से पानी ने रोका और वे निराश लौट गए। यहां लाखों की लागत से खेल मैदान तो विकसित किया गया है लेकिन मैदान में बरसात के पानी की निकासी का कोई बंदोबस्त नहीं है। तेज बरसात में यह तालाब में बदल जाता है और जब बरसात बंद होती है तब यहां इतना कीचड़ छा जाता है कि कई दिनों तक खिलाड़ी अंदर नहीं जा पाते। न तो नगर निगम न ही खेल विभाग ने पानी की निकासी का कोई बंदोबस्त किया है इस वजह से खिलाड़ियों को काफी दिक्कत होती है।

राजेश ने मंगाई जेसीबी

दूसरी और वार्ड 4 के अन्तर्गत आने वाले बेटा गांव एवं राजेन्द्र नगर में पानी भर जाने से अनेक मकानों के डूबने का खतरा उत्पन्न हो गया। जानकारी मिलते ही एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी ने तत्काल जेसीबी बुलवाई और कच्ची सड़क से अस्थाई नाली बनवाकर पानी की निकासी की, तब कहीं जाकर लोगों राहत की सांस ली।

बोरवन मार्ग के बुरे हाल : हरदेव क्लीनिक से बोरवन जाती एक किलो मीटर सड़क तो पहले से ही जर्जर है, वहां रातभर हुई बरसात ने आग में घी डालने का काम किया। डा. कृष्णानी अस्पताल के पीछे इतने गहरे गड्ढे हो गए हैं, कि वहां से गुजरने की कोई हिम्मत नहीं कर पाता। घंटो चली बरसात के बाद इस मार्ग से जहां दुपहिया वाहनों के अलावा कारों ने भी गुजरना बंद कर दिया है, वहीं बुधवार को तो यह मार्ग पूरी तरह से ठप हो गया। जिन लोगों को भोपाल से आकर बोरवन पार्क के अलावा मिठी गोविंदराम, विद्या सागर, संस्कार, नवनिध स्कूल व एमबीएम कालेज तथा संत हिरदाराम गर्ल्स कालेज जाना था, उन्हें बस स्टेण्ड एफ वार्ड व ओल्ड डेयरी फार्म रोड से घूमकर जाना पड़ा इस तरह दो मिलो मीटर अधिक फासला तय करना पड़ता।

यहां भी हालत खराब... लगातार बरसात से उपनगर के अनेक इलाकों की हालत दयनीय हो गई है। नगर निगम ने पिछले दिनों सिंधु समाज भवन के समीप एक नाली से तो जेसीबी मशीन से कब्जे हटाकर पानी की निकासी को आसान बनाया लेकिन अन्य इलाकों में कार्रवाई नहीं हुई, यही कारण है कि पंजाब नेशनल बैंक रोड, डा. भंभानी क्लीनिक रोड पूरी तरह से पानी में डूबा रहा और दुपहिया वाहन चालकों तथा राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर को 5 वर्ष की सजा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में वन एवं वन्य-जीव संरक्षण के लिये किये जा रहे समग्र प्रयासों के अंतर्गत वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स भोपाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा, जो मूल रूप से तिब्बत का निवासी है, जिसे 9 साल की कड़ी मेहनत के बाद 25 जनवरी, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय सीमा भारत-नेपाल के पास सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया था। स्टेट टाइगर फोर्स द्वारा की गयी सटीक विवेचना एवं न्यायालय में रखे गये ठोस पक्ष के आधार पर आरोपी शेरपा को 9 मई, 2025 को 5 वर्ष की सजा दी गयी।

इंटरपोल मुख्यालय ल्योन, फ्रांस से जारी पत्र में मध्यप्रदेश वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स को अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा के सफलतापूर्वक अभियोजन पूर्ण कर सजा दिलवाने की उत्कृष्ट कार्रवाई के लिये बधाई-पत्र भेजा है। इंटरपोल जिसे आधिकारिक तौर पर अंतर्राष्ट्रीय अपराधी नियंत्रण पुलिस संगठन कहा जाता है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो 195 से अधिक देशों ने मिलकर बनाया है। यह पूरे विश्व में पुलिस एवं अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सहयोग और अपराध नियंत्रण की सुविधा प्रदान करता है। मध्यप्रदेश वन विभाग ने स्टेट टाइगर फोर्स का गठन केन्द्र शासन के निर्देश पर वन्य-जीवों की तस्करी की रोकथाम के लिये किया है। स्टेट टाइगर फोर्स ने विगत कुछ वर्षों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए अंतर्राज्यीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इससे पहले भी इंटरपोल द्वारा 3 बार एसटीएसएफ के कार्यों की सराहना की जा चुकी है।

अपराधी ताशी शेरपा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्करी गिरोह की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसका नेटवर्क भारत, नेपाल, भूटान और चीन तक फैला हुआ है। जुलाई-2024 में सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली ने मामले की गंभीरता को देखते हुए ताशी शेरपा की जमानत याचिका को खारिज कर ट्रॉयल कोर्ट नर्मदापुरम को एक वर्ष के भीतर ट्रॉयल पूरा करने का निर्देश दिया था।

स्टेट टाइगर फोर्स ने वैज्ञानिक विवेचना करते हुए ताशी शेरपा की ब्रेन-मेपिंग और पॉलीग्राफी परीक्षण करवाया, जिससे उसके विरुद्ध महत्वपूर्ण सबूत मिले। इसके अतिरिक्त साइबर डेटा भी एकत्र कर न्यायालय में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में पेश किये गये। देश का यह पहला मामला है, जिसमें बाघ शिकारियों, कुरियर, बिचौलियों और तस्करों सहित 28 अपराधियों के गिरोह को गिरफ्तार किया गया, जिसमें सभी दोषी ठहराये गये। उक्त प्रकरण में एक सरगना जेई तमांग उर्फ पसांग लिमी फरार है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर हेमंत खंडेलवाल को प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाए दी।

आचार्य सतगुरु स्वामी टेऊंराम महाराज का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया गया

भोपाल, नप्र। राजधानी के उपनगर संत हिरदाराम नगर ग्राम बेहटा गांव में स्थित सतगुरु स्वामी टेऊराम आश्रम में 139वां अवतरण दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रवचन, भजन कीर्तन का कार्यक्रम हुआ। आश्रम संचालिका विद्या देवी ने स्वामी टेऊराम के जीवन पर विचार रखते हुए कहा कि इस जीवन कथा का उद्देश्य हमें आध्यात्मिक पथ पर चलने के लिए प्रेरित करना है। जब भी लोग धर्म से विमुख होकर माया या झूठे भ्रम में लिप्त हो जाते हैं तो भगवान मनुष्य के उद्धार के लिए इस धरती पर मानव रूप में अवतार लेते हैं। हमारे पूज्य सतगुरु स्वामी टेऊँराम महाराज का जन्म 6 जुलाई 1887 को सिंध प्रांत में पवित्र नदी सिंधु के तट पर खांडू नामक सिंध के एक छोटे से गाँव में हुआ था यह संतों की पवित्र भूमि है। स्वामी के माता-पिता चेलाराम और माता कृष्णादेवी भगवान के बहुत बड़े भक्त थे। उन्होंने अपना जीवन उन संतों और महात्माओं की सेवा में बिताया जो उनसे मिलने आते थे। उनके घर पर प्रतिदिन दिव्य प्रवचन होते थे। आश्रम की सेवाधारी वर्षा खुशलानी व द्रोपदी सदारंगानी ने संतों के जीवन पर झांकिया बनाई व सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया।

सीआर संबंधी लापरवाही सबसे बड़ी रुकावट बन गई

डेढ़ लाख कर्मचारियों और अधिकारियों का प्रमोशन संकट में

भोपाल, नप्र।

प्रदेश में नौ साल बाद जब पदोन्नति की प्रक्रिया का रास्ता खुला तो कर्मचारियों में उम्मीद की लहर दौड़ गई। लेकिन उम्मीदों की ये लहर एक ऐसी दीवार से टकरा गई जिसका नाम है गोपनीय चरित्रावली ।1.50 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारी और अधिकारी इस वक्त अफसरों की लापरवाही की भेंट चढ़ चुके हैं। उनकी सीआर या तो लिखी ही नहीं गई या अधूरी रह गई। अब उनकी प्रमोशन की फाइलें विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में लिफाफे से बाहर भी नहीं निकलेंगी। 54 विभागों को डीपीसी बैठक बुलाने के निर्देश दिए जा चुके हैं। लेकिन पदोन्नति नियम 2025 के तहत प्रस्तावित पांच लाख से ज्यादा कर्मचारियों की पदोन्नति में सीआर संबंधी लापरवाही सबसे बड़ी रुकावट बन गई है। अब सामान्य प्रशासन विभाग ने अफसरों को सीधा संदेश दे दिया है, अगर आपने जानबूझकर किसी अधीनस्थ की सीआर रोकी, तो आपकी खुद की रिपोर्ट में एडवर्स कमेंट डाला जाएगा। यह पहली बार है जब सरकार ने अफसरों की जवाबदेही तय करने की कोशिश की है। रिपोर्ट में यह भी दर्ज होगा कि अफसर ने रिपोर्ट को अनुचित कारणों से रोका।

सीआर को लेकर सुस्ती क्यों आई?

बीते वर्षों में जब पदोन्नति की प्रक्रिया लगभग ठप पड़ी थी, तब कर्मचारियों ने सीआर भरवाने में दिलचस्पी नहीं ली। वहीं अफसरों ने भी मान लिया कि जब आगे कोई प्रक्रिया होनी ही नहीं है, तो मेहनत क्यों करें? इसका परिणाम यह रहा कि कई सीआर फाइलें या तो बनी ही नहीं, या स्टेनो/बाबू द्वारा साहब के ध्यानार्थ अलमारी में बंद कर दी गई।

जानें डीपीसी नियम क्या कहते हैं?

डीपीसी में प्रमोशन के लिए पिछले तीन वर्षों की सीआर पूरी होनी चाहिए। साथ ही, आगामी दो साल की प्रविष्टि भी फाइल में दर्ज होनी चाहिए। लेकिन सीआर नहीं, तो प्रमोशन नहीं! अफसरों की लापरवाही से कर्मचारियों की उम्मीदें अधर में लटक गई हैं।

बारिश में भौंरी और बैरागढ़ के कई क्षेत्र के घरों में घुसा पानी

भोपाल, नप्र। राजधानी भोपाल में हो रही तेज बारिश के कारण बैरागढ़ के भौंरी गांव में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह समस्या पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत और गलती के कारण हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि रोड निर्माण के समय कई बार समझाया गया था कि निर्माण में सावधानी बरती जाए, लेकिन उनकी अनदेखी के कारण आज गांव में पानी भर गया है। बारिश में अब बहुत परेशान हो रहे है पानी भरने के कारण रात में सो नहीं पा रहे हैं। गुस्साए ग्रामीणों ने खुद ही रोड खोदकर पानी निकालने का प्रयास शुरू कर दिया है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इधर, बैरागढ़ के कई क्षेत्रों में घरों में जलभराव की स्थिति बनती रही। एच वार्ड की गलियों में सीवेज का पानी घरों में घुसने से लोगों को परेशानी हुई रात में भी लोग घरों से पानी निकलते हुए नजर आए।

कांवड़ यात्रा में धार्मिक संगठनों की मांग, होटल मालिकों की नेमप्लेट हो अनिवार्य, असल पहचान हो सार्वजनिक

भोपाल। सावन से पहले उज्जैन के धार्मिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि महाकाल मार्ग के होटलों पर मालिक का नाम स्पष्ट रूप से लिखा जाए, ताकि श्रद्धालु भ्रमित न हों और विवाद की स्थिति न बने। सावन माह की शुरुआत से पहले उज्जैन के धार्मिक संगठनों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि महाकाल मंदिर मार्ग पर स्थित सभी होटलों और रेस्टोरेंटों के बाहर मालिक का नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए। धार्मिक संगठनों का कहना है कि कई होटलों का संचालन मुस्लिम व्यवसायियों द्वारा किया जा रहा है, लेकिन उनके नाम हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर रखे गए हैं। ऐसे में सावन जैसे पवित्र माह में जब लाखों श्रद्धालु उज्जैन आते हैं, तो उन्हें यह पता नहीं चल पाता कि वे किस स्वामी की दुकान पर भोजन कर रहे हैं। कई बार उन्हें अनजाने में मांसाहारी भोजन परोसा जाता है, जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है और श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। **स्पष्ट पहचान से बढ़ेगा भरोसा, घटेगा भ्रम :** अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के पदाधिकारी महेश पुजारी ने कहा कि कई बार श्रद्धालु जानकारी के अभाव में किसी भी होटल में भोजन कर लेते हैं, और यदि वहां मांसाहारी भोजन परोसा जाए तो विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे भ्रम की स्थिति से बचने के लिए प्रत्येक होटल और ढाबे पर मालिक का नाम नेम प्लेट पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना आवश्यक है। **600 से अधिक होटल-रेस्टोरेंट, 200 पर मुस्लिम संचालकों की कमान :** हिंदूवादी नेता रितेश माहेश्वरी ने कहा कि मंदिर क्षेत्र में लगभग 600 होटल और रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैं, जिनमें से 200 से अधिक मुस्लिम संचालकों के अधीन हैं। उन्होंने बताया कि कई दुकानों के नाम ऐसे हैं, जो हिंदू संचालक होने का आभास देते हैं। अक्सर भक्तों द्वारा भोजन में हड्डी या मांसाहारी सामग्री मिलने की शिकायतें सामने आती हैं।

भोपाल होगा भिक्षावृत्ति मुक्त, आश्रम स्थल संचालन के लिये स्वैच्छिक संस्थाओं से 15 जुलाई तक प्रस्ताव आमंत्रित

भोपाल । भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की SMILE उपयोजना के तहत भोपाल जिला को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के उद्देश्य से चयनित किया गया है। भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु विशेष रूप से आश्रय स्थल/भिक्षुक गृह की स्थापना की जाना है। इस आश्रय स्थल के संचालन के लिए अनुभवी और सक्षम स्वैच्छिक संस्थाओं/संगठनों से 15 जुलाई 2025 शाम 5 बजे तक प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर भोपाल द्वारा 3 फरवरी 2025 को भिक्षावृत्ति करने व भिक्षा देने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया गया है। संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय ने बताया कि जो संस्थायें निम्न शर्तें पूर्ण करती है वह आवेदन कर सकती है इसके लिये संस्था सोसायटी रजिस्ट्रेशन/फर्म/लोक न्यास अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो। वर्तमान वैध कार्यकारिणी हो। कार्यकारिणी द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया हो। संस्था किसी विभाग द्वारा ब्लैकलिस्टेड न हो। विगत 5 वर्षों से पुनर्वास संबंधित कार्य का अनुभव हो। वित्तीय स्थिति सुदृढ़ हो (पिछले 3 वर्षों की ऑडिट रिपोर्ट आवश्यक)। संस्था के उपविधियों में भिक्षावृत्ति पुनर्वास संबंधी उद्देश्य शामिल होना आवश्यक है। इच्छुक संस्थाएँ अपना प्रस्ताव संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, शेड नं. 01, कमिश्नर कार्यालय के पीछे, पुराना सचिवालय, भोपाल में डाक, स्वयं उपस्थित होकर, या ईमेल (pswbho@mp.nic.in) के माध्यम से भेज सकती है।

|| संपादकीय ||

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण से बेचैन हुआ विपक्ष

बिहार में मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन —एस.आई.आर.) का काम शुरू हो गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक उसकी इस पहल का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और वास्तविक बनाना है। हालांकि, विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में छेड़छाड़ के व्यापक आरोप लगाए हैं। लगभग सभी ने एसआईआर का विरोध किया है और कहा है कि इससे मताधिकार से वंचित होने का गंभीर खतरा है। बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 7.89 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। राज्य में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बिहार में इस तरह का आखिरी गहन संशोधन 2003 में किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में 2003 की मतदाता सूची को फिर से वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें 4.96 करोड़ लोगों के नाम हैं। इनमें शामिल लोगों को जन्मतिथि या जन्मस्थान साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं देने होंगे। बाकी 3 करोड़ मतदाताओं को प्रमाण के लिए दस्तावेज देने होंगे। वोटिंग लिस्ट में ये संशोधन ऐसे वक्त किए जाने हैं जब बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में विपक्षी पार्टियां इस पर नाराजगी जता रही हैं। इस मसले पर विपक्ष की ओर से एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी, जिसमें बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कई मुद्दे उठाए थे और व्यावहारिक समस्याएं बताई थीं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 जून को महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग के बारे में कई बातें लिखी थीं। उन्होंने लिखा था, "क्योंकि महाराष्ट्र की यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर वहां भी, जहां-जहां बीजेपी हार रही होगी।"

तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण "पिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदम" है। इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसको लेकर सवाल उठाए। उन्होंने 27 जून को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है।' जबकि सत्तारूढ़ दलों ने इसे पूर्व की चुनावी धांधली पर चुनाव आयोग की सख्ती के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

महागठबंधन के प्रमुख घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 2003 में जब मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ था तो उसमें दो साल लगे थे और तब साढ़े चार करोड़ से कुछ ज्यादा मतदाता थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का मानना है कि विधानसभा चुनाव से एक महीने पहले सघन पुनरीक्षण अभियान संभव नहीं है। राजद नेताओं ने सवाल उठाया कि अगर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की इतनी आवश्यकता है, तो यह केवल बिहार में ही क्यों किया जा रहा है? क्या देश के अन्य राज्यों को इसकी जरूरत नहीं है? नेताओं ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया बिहार को निशाना बनाने की एक सोची-समझी रणनीति है।

संविधान का अनुच्छेद 324 (1) भारत के निर्वाचन आयोग को संसद और राज्य विधानसभाओं के- चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति देता है। गहन पुनरीक्षण में मतदाता सूची को नए सिरे से तैयार किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है।

राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं।

बिहार की राजनीति को करीब से जानने वालों के अनुसार, निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा।

बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

जाति आधारित सर्वेक्षण आंकड़ों के अनुसार बिहार में करीब 17.70 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। वहीं, बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटर अहम भूमिका अदा करते हैं। इन इलाकों में मुस्लिम आबादी 20 से 40 प्रतिशत या इससे भी अधिक है। बिहार की 11 सीटें हैं, 10 से 30 फीसदी के बीच मुस्लिम मतदाता हैं। जानकारों का मानना है कि चुनिंदा क्षेत्रों में अगर एक निश्चित मात्रा में नाम कट जाएं तो मुकाबला कमजोर हो जाएगा। इसको समझने के बावजूद विपक्षी पार्टियां सड़क पर नहीं उतर रही हैं। हो सकता है कि इससे मुकाबले के लिए वे न्यायपालिका का रुख करें।

- डॉ. आशीष वशिष्ठ (स्वतंत्र पत्रकार)

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अपराधियों से निपटने में विफल नीतिश सरकार देगी हथियार लाइसेंस

बिहार सरकार ने यह फैसला राज्य में पंचायत प्रतिनिधियों पर हमले और हत्याओं की बढ़ती घटनाओं के कारण लिया है। इसके विपरीत सच्चाई यही है कि ऐसा करके नीतिश सरकार ने ग्रामीण जनप्रतिनिधियों को साधने की कोशिश की है।

राजनीतिक दल सत्ता प्राप्ति के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इससे बेशक राज्य का चाहे कितना ही नुकसान क्यों ना हो। बिहार जैसा प्रदेश जो एक दौर में नस्लवाद और जातीय हिंसा के लिए कुख्यात रहा, अब भी अपराधों के मामले में पीछे नहीं हैं। बिहार में सत्ता में कोई भी राजनीतिक दल रहा हो, अपराधों से सभी का गहरा रिश्ता रहा है। बिहार में कानून-व्यवस्था हमेशा से एक चुनौती रही है। हालात यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम रही है। इसका सरकार ने आसान विकल्प खोज लिया है। वह यह है कि अब मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य जैसे जनप्रतिनिधि आत्मरक्षा के लिए लाइसेंसी हथियार रख सकेंगे। जिससे लगभग ढाई लाख जनप्रतिनिधियों को फायदा मिलेगा। राज्य के गृह विभाग ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में आवेदनों की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश जारी किया है। बिहार में आगामी चंद महीनों बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में नीतिश सरकार के इस फैसले को चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है।

बिहार सरकार ने यह फैसला राज्य में पंचायत प्रतिनिधियों पर हमले और हत्याओं की बढ़ती घटनाओं के कारण लिया है। इसके विपरीत सच्चाई यही है कि ऐसा करके नीतिश सरकार ने ग्रामीण जनप्रतिनिधियों को साधने की कोशिश की है। यदि नीतिश कुमार के इस फैसले को पंचायत प्रतिनिधियों की सुरक्षा के हित में भी माना जाए तब यह प्रदेश में अपराध की हालत को दर्शाता है। जिस प्रदेश में जनप्रतिनिधी ही सुरक्षित नहीं हैं, वहां आम अवाम की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा। सवाल यह भी है कि लाखों की संख्या में हथियारों के लाइसेंस देने से क्या राज्य में हिंसा में बढ़ोत्तरी नहीं होगी। बिहार में यदि पुलिस तंत्र प्रभावी और मजबूत होता तो यह नौबत नहीं आती कि लाखों जनप्रतिनिधियों को हथियारों के लिए लाइसेंस दिया जाए। इससे जाहिर है कि मुख्यमंत्री नीतिश ने अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के बजाए हथियारों के लाइसेंस देने का आसान विकल्प चुना है। बड़ा सवाल यह भी है कि जनप्रतिनिधी अपनी सुरक्षा हथियारों से कर लेंगे, किन्तु प्रदेश की अवाम का क्या होगा।

मुख्यमंत्री नीतीश का यह फैसला दर्शाता है कि बिहार में कानून-व्यवस्था लगभग ध्वस्त हो चुकी है। बिहार पुलिस हिंसक अपराध के मामलों में आई तेजी है। बिहार में पिछले 10 वर्षों में राज्य में फर्जी शस्त्र लाइसेंस, अवैध बंदूक और गोला व बारूद की अनाधिकृत तौर पर बिक्री बढ़ी है और यह प्रदेश में बढ़ रही हिंसा की बड़ी वजह है। राज्य के अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने इस दिशा में एक अध्ययन भी किया है। बिहार पुलिस ने यह अध्ययन बिहार पुलिस के महानिदेशक विनय कुमार को सुपर्द किया। पुलिस ने राज्य में हिंसक अपराधों में वृद्धि को सीधे तौर पर राज्य में अवैध हथियारों और गोला-बारूद की बढ़ती बिक्री से जोड़ा है और हत्या, फिरौती के लिए अपहरण, डकैती, लूट, बैंक डकैती और सड़क डकैती जैसे अपराधों के लिए इसे जिम्मेदार माना है। एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो) के अनुसार, बिहार 2017 से 2022 के बीच हिंसक अपराधों के मामले में लगातार शीर्ष पांच राज्यों में शुमार रहा है। इस अध्ययन में यह बात सामने आई कि प्रति वर्ष पटना में 82 हिंसा के मामले औसतन रूप से सामने आए हैं और राज्य की राजधानी हिंसा की राजधानी बन चुकी है। पटना के बाद क्रमशः मोतिहारी में 49.53, सारण 44.08), गया 43.50, मुजफ्फरपुर 39.93 और वैशाली में 37.90 मामले प्रति वर्ष औसतन दर्ज किए जा रहे हैं। हिंसक अपराधों की सबसे अधिक संख्या वाले शीर्ष 10 जिलों में पटना, मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, नालंदा और बेगूसराय शामिल हैं। ये उन शीर्ष 10 जिलों में से भी हैं जिनमें सबसे अधिक आम्र्स एक्ट के मामले हैं। अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि अवैध आग्नेयास्त्र और हिंसक अपराध के मामलों के बीच घनिष्ठ संबंध है। एक दशक के अपराधों के अध्ययन के आधार पर विशेष कार्य बल ने बिहार के डीजीपी से सिफारिश की है कि वे व्यक्तिगत गोला-बारूद कोटा को मौजूदा 200 से घटाकर न्यूनतम कर दें। साथ ही यह भी सिफारिश की गई है कि डीजीपी कार्यालय आग्नेयास्त्रों का उपयोग करने में असमर्थ मानता है, उनके लाइसेंस रद्द कर दे। लाइसेंस प्राप्त मिनीगन कारखानों की निगरानी करें। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत में अपराधों के मामलों में शीर्ष पर उत्तर प्रदेश रहा। इसके बाद अपराधों के पायदान पर क्रमशः केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार है। अपराधों की श्रेणी में चोरी के मामले सबसे ज्यादा दर्ज किए गए। इसके बाद दूसरे नंबर पर डकैती और उत्पीडऩ के मामले सामने आए। अपराधों में आंकड़ों के लिहाज से तीसरे नंबर बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। इस मामले में चिंता की बात यह है कि इसमें वर्ष 2023 के मुकाबले 1.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है जबकि अपहरण के मामलों में पिछले वर्ष के मुकाबले 5.1 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बिहार सरकार द्वारा जारी बिहार आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित दर्ज और निपटाए गए मामलों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 2021-22 में क्रमशः 13.05 प्रतिशत और 19.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021-22 में दर्ज सभी मामलों में से घरेलू हिंसा के लिए सबसे ज़्यादा 4,889 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद दहेज उत्पीडऩ (787), यौन उत्पीडऩ (116), दूसरी शादी (81), मोबाइल/साइबर से जुड़े अपराध (59), बाल विवाह (24), कार्यस्थल पर यौन उत्पीडऩ (22), मानव तस्करी (12), दहेज हत्या (5) और अन्य (1,297) दर्ज किए गए। 2021-22 में 86 प्रतिशत दर्ज मामलों का निपटारा किया गया, जबकि 2020-21 में यह 82 प्रतिशत था। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने आंकड़े और आबादी के आधार पर दावा किया है कि 2004 के मुकाबले 2025 में अपराध में भारी गिरावट आयी है। लालू सरकार के काल खंड से तुलना करते हुए डीजीपी ने कहा कि 20-21 साल पहले सालाना 500- 1000 फिरौती के लिए अपहरण के मामले दर्ज होते थे। अब यह आंकड़ा 50 के आसपास है। डकैती के मामलों में भी पहले 1200 से अधिक वार्षिक घटनाएं होती थीं, जो अब घटकर 150 के करीब पहुंच चुकी हैं। गौरतलब है कि बिहार पहले से ही भ्रष्टाचार को लेकर बदनाम रहा है। लालू सरकार के चारा और जमीन के बदले में रेलवे में नौकरी को लेकर लालू यादव जेल में हैं। नीतिश कुमार से उम्मीद थी कि बिहार में भ्रष्टाचार और अपराधों में सुधार होगा। किन्तु जिस तरह हथियारों की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है, उससे बिहार का भविष्य उज्जवल नजर नहीं आता।

- योगेंद्र योगी

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नागरिकता का 'आधार'

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और एमआईएम नेता-सांसद ओवैसी के आरोप हैं कि भारत सरकार चोरी-छिपे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करना चाहती है, नतीजतन मुसलमानों की एक अवांछित आबादी की नागरिकता रद्द की जा सकेगी। ममता बनर्जी ने बंगाल में एनआरसी लागू नहीं करने की घोषणा भी की है। नागरिकता का यह विवादित मुद्दा पुराना है। सर्वोच्च अदालत की निगरानी में असम और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य राज्यों में, प्रयोग के स्तर पर, एनआरसी की कवायद की गई थी। दरअसल यह न तो असंवैधानिक अभियान है और न ही मुसलमानों की नागरिकता रद्द की जा रही है। किसी भी सरकार को नागरिकता छीनने का अधिकार नहीं है। यह सर्वोच्च अदालत के स्तर पर कई बार दोहराया जा चुका है। गौरतलब यह भी है कि भारत सरकार ने एनआरसी का निर्णय अभी तक नहीं लिया है। फिलहाल जनगणना और जातीय गणना के विराट अभियान सामने हैं, जिन्हें मार्च-अप्रैल, 2027 तक पूरा करने के लक्ष्य तय किए गए हैं। वैसे एनआरसी जनगणना का ही एक प्रारूप है। यदि जनगणना पर आपत्ति नहीं है, तो एनआरसी पर चीखा-चिल्ली क्यों मचाई जा रही है? दरअसल हमारा विषय यह है कि एक औसत भारतीय की 'नागरिकता' के तय मानक क्या हैं? यह देश अधिकतर गांवों, पिछड़े इलाकों और बाढ़-बारिश से ग्रस्त क्षेत्रों में बसने को बाध्य है। 'नागरिकता' के लिए कई दस्तावेज अपेक्षित हैं, जिन्हें पेश करना मुश्किल है। उन संदर्भों में अहम सवाल है कि 'आधार कार्ड' नागरिकता का पात्र, मानक आधार क्यों नहीं है? जनवरी, 2009 में तत्कालीन मनमोहन सरकार ने 'भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण' का गठन किया था और 'इंफोसिस' के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि को उसका प्रथम अध्यक्ष बनाया गया था। 'आधार कार्ड' सितंबर, 2010 में लागू हो गया। आज देश के 125 करोड़ से अधिक लोगों के पास आधार कार्ड है। उसमें नाम, पिता का नाम, जन्म-तिथि, पता और व्यक्ति के बॉयोमीट्रिक चिह्न आदि सब कुछ दर्ज हैं।

प्राधिकरण के नाम में भी 'पहचान' शब्द जुड़ा है। आज आयकर रिटर्न, बैंक खाते के संचालन, सरकार की विशेष सामाजिक सुरक्षा वाली योजनाओं का लाभ, बच्चों का स्कूल में दाखिला, म्यूचुअल फंड्स अथवा शेयर बाजार में निवेश करने, सिम कार्ड खरीदने, नौकरी में प्रवेश करते समय 'आधार कार्ड' का प्रस्तुतीकरण अनिवार्य है। सरकार ने 'पैन कार्ड' और बैंक खातों को आधार से अनिवार्य तौर पर लिंक करा दिया है। अब 'मतदाता पहचान पत्र' को भी आधार कार्ड से जोडऩे पर विचार किया जा रहा है। यदि आधार कार्ड इतना महत्वपूर्ण और प्रामाणिक दस्तावेज है, तो उसके आधार पर किसी की नागरिकता तय करने में क्या दुविधा है? 'मतदाता कार्ड' भी अत्यंत मौलिक, साक्ष्य वाला दस्तावेज है। उसे नागरिकता का आधार मानक क्यों नहीं माना गया है? सरकार दलीलें देती रही है कि आधार कार्ड और मतदाता कार्ड एक निश्चित गिरोह द्वारा फर्जी बनाए जाते रहे हैं। यह सरकार की ही नाकामी है। फर्जी और नकली तो पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड भी बन रहे हैं। नकली पहचान बना कर आतंकवादी संसद भवन में घुस गए थे। सरकार इन नकलबाजों को क्यों नहीं रोक पाई है? यह सरकार के लिए गंभीर चुनौती भी है। देश में करोड़ों घुसपैठिया बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान व्याप्त हैं, दशकों से सक्रिय हैं, उनके पास फर्जी कार्ड भी होंगे, वे वोट बैंक भी हैं, कमोबेश भाजपा-एनडीए सरकार उन्हें देश से बाहर क्यों नहीं कर पाई? बहरहाल किस्तों में ये अभियान जरूर दिखाई देते हैं। सरकार ने जिन दस्तावेजों को नागरिकता के आधार के तौर पर स्वीकार किया है, वे प्रवासी नौकरी-मजदूरी करने वालों के लिए मुश्किल हो सकते हैं।

जनरल नॉलेज

क्या रामायण-महाभारत जैसे ग्रंथों पर भी लगता है कॉपीराइट, इस पर क्या कहता है कानून

देश में कॉपीराइट नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए कॉपीराइट अधिनियम 1957 लागू है. यह कानून कला, साहित्य, संगीत, फिल्म जैसे मूल कार्यों के रचनाकारों के अधिकारों की रक्षा करता है.

फिल्म स्टार रणबीर कपूर अपनी नई फिल्म रामायाण में भगवान राम की भूमिका में नजर आने वाले हैं. मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक दिखाई है, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम के गेटअप में काफी आकर्षक नजर आ रहे हैं. हालांकि, रामायण जैसे धर्म ग्रंथ पर बनने वाली यह पहली फिल्म नहीं है. पहले भी कई टीवी सीरियल और फिल्में रामायण पर बन चुकी हैं. इससे पहले प्रभास की आदिपुरुष भी रामायण की थीम पर रिलीज हुई थी, जो बुरी तरह फ्लॉफ गई थी. इसके अलावा एसएस राजामौली भी महाभारत जैसे धर्म ग्रंथ पर फिल्म बनाने की सोच रहे हैं.

ऐसे में लोगों के मन में सवाल है कि क्या रामायण या महाभारत जैसे ग्रंथों पर बनने वाली फिल्मों पर भी कॉपीराइट लगता है? इसको लेकर देश में क्या कानून है? चलिए जानते हैं...

धार्मिक विषयों पर बन रहीं फिल्में - दरअसल, यह सवाल इसलिए भी वाजिब है क्योंकि पिछले कुछ सालों में धार्मिक विषयों पर फिल्में बनाने की बाढ़ सी आ गई है. आदिपुरुष, ओह माई गॉड 2, कल्कि, ब्रह्मास्त्र कुछ ऐसी फिल्में हैं, जिन्हें धार्मिक विषयों पर बनाया गया है. इनमें कुछ फिल्में पूरी तरह धर्म ग्रंथों पर आधारित रही हैं तो कुछ फिल्मों में स्क्रिप्ट के अनुसार कई तरह के बदलाव भी किए गए हैं. जहां तक रामायण की बात है तो इस धर्म ग्रंथ पर कई टीवी सीरियल और फिल्में पहले भी बनाई जा चुकी हैं.

क्या धर्म ग्रंथों पर नहीं लगता कॉपीराइट? - देश में कॉपीराइट नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए कॉपीराइट अधिनियम 1957 लागू है. यह कानून कला, साहित्य, संगीत, फिल्म जैसे मूल कार्यों के रचनाकारों के अधिकारों की रक्षा करता है. यह कानून कहता है कि किसी भी रचना के मूल रचनाकार की अनुमति के बिना उसके कंटेंट का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है. हालांकि, सवाल यह है कि क्या रामायण और महाभारत जैसे धर्मग्रंथ भी कॉपीराइट कानून के दायरे में आते हैं? ऐसे ही एक मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने 2023 में एक फैसला सुनाया था, जिसमें कहा गया था भगवद् गीता, महाभारत या रामायण जैसे धर्मग्रथों पर कॉपीराइट का दावा नहीं किया जा सकता है. हालांकि, इसमें निर्मित कोई भी व्याख्या, रूपांतरण या नाटकीय कार्य कॉपीराइट के दायरे में होंगे और मूल रचनाकार कॉपीराइट संरक्षण का हकदार होगा. इसका मतलब यह है कि धर्मग्रंथों पर फिल्में तो बनाई जा सकती हैं, लेकिन यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि किसी पहले से किया गया रूपांतरण या बदलाव का इस्तेमाल फिल्म में न किया जाए.

टेक्नोलॉजी

क्या आपका अकाउंट हैक हो गया है? इन फ्री टूल्स से ऐसे कर सकते हैं पता, ये है बेहद आसान तरीका

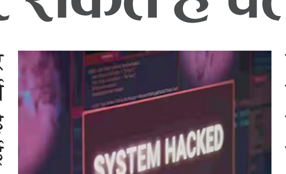

डिजिटल दौर में साइबर फ्रॉड तेजी से बढ़ रहा है. हैकर्स हर दिन नए-नए तरीके निकाल रहे हैं ताकि यूज़र्स की जानकारी चुराई जा सके.

डिजिटल दौर में साइबर फ्रॉड तेजी से बढ़ रहा है. हैकर्स हर दिन नए-नए तरीके निकाल रहे हैं ताकि यूज़र्स की जानकारी चुराई जा सके. ऐसे में जरूरी है कि हम अपने सोशल मीडिया और ईमेल अकाउंट्स को सुरक्षित रखें और यह जांचते रहें कि कहीं हमारा अकाउंट किसी गलत हाथों में तो नहीं पहुंच गया. अगर आप भी जानना चाहते हैं कि आपका अकाउंट सुरक्षित है या नहीं, तो नीचे दिए गए कुछ मुफ्त टूल्स आपकी मदद कर सकते हैं.

Google Password Checkup - अगर आपने कभी अपना पासवर्ड Chrome ब्राउज़र या Google अकाउंट में सेव किया है, तो यह टूल आपको तुरंत बता सकता है कि वह पासवर्ड लीक हुआ है या नहीं. यह सिस्टम बैकग्राउंड में लगातार काम करता है और जैसे ही कोई खतरा नजर आता है, आपको अलर्ट कर देता है. इसके अलावा यह कमजोर या बार-बार इस्तेमाल किए गए पासवर्ड को पहचानता है और उन्हें बदलने की सलाह भी देता है.

Google One Dark Web Report - यह फीचर डार्क वेब पर आपकी पर्सनल जानकारी जैसे कि ईमेल, फोन नंबर या पासवर्ड्स को स्कैन करता है. डार्क वेब पर अक्सर चोरी की गई जानकारी बेची जाती है और इस रिपोर्ट के जरिए आप जान सकते हैं कि कहीं आपकी जानकारी वहां लीक तो नहीं हुई. हालांकि इस सुविधा का उपयोग करने के लिए Google One की मेंबरशिप चाहिए, लेकिन इसका ट्रायल वर्जन भी उपलब्ध है.

Apple iCloud Keychain Password Monitoring - अगर आप iPhone या Mac यूज़र हैं, तो Apple का यह फीचर आपके सेव किए गए पासवर्ड्स पर नजर रखता है. यह तुरंत अलर्ट करता है अगर कोई पासवर्ड कमजोर, बार-बार उपयोग में लाया गया या लीक हो चुका हो. यह न सिर्फ खतरे की जानकारी देता है बल्कि मजबूत पासवर्ड के सुझाव भी देता है, जिससे आपका ऑनलाइन अकाउंट और भी सुरक्षित हो सके.

कैसे करें खुद को साइबर अटैक से सुरक्षित - ऑनलाइन सुरक्षा के लिए सबसे जरूरी है कि हर अकाउंट के लिए एक अलग और मजबूत पासवर्ड बनाएं. 2-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) जरूर ऑन रखें, ताकि आपका अकाउंट एक्स्ट्रा लेयर से प्रोटेक्टेड रहे. समय-समय पर लॉगिन हिस्ट्री और कनेक्टेड डिवाइसेज़ की जांच करते रहें, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता जल्दी चल सके.

अगर आपको किसी भी तरह की गड़बड़ी नजर आती है, तो तुरंत अपना पासवर्ड बदलें और संबंधित ऐप्स या वेबसाइट्स की सुरक्षा सेटिंग्स अपडेट करें. साथ ही, अपना रिकवरी ईमेल और मोबाइल नंबर हमेशा अपडेटेड रखें ताकि ज़रूरत पड़ने पर आप आसानी से अपने अकाउंट को दोबारा एक्सेस कर सकें.

तुर्की, अजरबैजान, चीन, पाकिस्तान, ब्लैक सी कॉरिडोर से चारों दुश्मनों को साध सकता है भारत, दिल्ली का साथ मांग रहा दोस्त देश

एजेंसी येरेवन

चीन को काउंटर करने के लिए आर्मेनिया ने भारत के ब्लैक सी कॉरिडोर का समर्थन कर दिया है। चीन का लक्ष्य काकेशस क्षेत्र में अपनी पकड़ को मजबूत करना है। और आधुनिक जियो-पॉलिटिकल हालात ने भारत की वैश्विक भूमिका को काफी बढ़ा दिया है। इस लिहाज से यूरेशिया क्षेत्र काफी महत्वपूर्ण बन गया है। ऐसे में भारत की "मल्टी-वेक्टर फॉरेन पॉलिसी" अब एक ऐसे मुकाम पर है जहां मध्य एशिया, कॉकस और ब्लैक सी रीजन को जोड़ने वाला एक वैकल्पिक गलियारा, जिसे ब्लैक सी कॉरिडोर कहा जाता है, वो उसकी रणनीतिक परिधि में केंद्र में आ गया है। ऐसे में आर्मेनिया सिर्फ सहयोगी नहीं, बल्कि इस पूरे क्षेत्र में चीन और तुर्की-पाकिस्तान-अजरबैजान गठबंधन का संतुलन साधने वाला एक विश्वसनीय साझेदार भी बन सकता है। अर्मेनियाई स्ट्रैटजिक एक्सपर्ट्स ने फर्स्टपोस्ट की एक रिपोर्ट में कहा है कि नई दिल्ली, ब्लैक सी कॉरिडोर के डेवलपमेंट में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जो भारत को ईरान, अर्मेनिया, जॉर्जिया और मध्य एशिया के ज्यादातर हिस्सों से कनेक्ट करेगा। पिछले कुछ सालों में चीन ने इस क्षेत्र में अजरबैजान और जॉर्जिया में भारी निवेश किया है, जिससे चीन की आक्रामकता का पता चलता है। ऐसे में रणनीतिक एक्सपर्ट्स जोर दे रहे हैं कि भारत के पास आर्मेनिया के साथ अपने मजबूत संबंधों का इस्तेमाल करके इस क्षेत्र में अपनी जगह बनाने का मौका है। भारत-आर्मेनिया के बीच संबंध दशकों पुराने हैं। 2022 में भारत रूस को पीछे छोड़कर आर्मेनिया का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन गया है। ईरान और इजरायल के बीच 12 दिनों की लड़ाई के दौरान भारत ने आर्मेनिया के रास्ते भारतीय छात्रों को निकाला। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आर्मेनिया ने खुलकर भारत का समर्थन किया था। आर्मेनिया, जो अजरबैजान की आक्रामकता का

शिकार रहा है, उसने भारत के साथ गठबंधन किया है। इस गठबंधन का एक कारण इस क्षेत्र का भू-राजनीतिक हालात है। इसलिए ब्लैक सी कॉरिडोर सिर्फ एक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि यह उस रणनीतिक सोच का हिस्सा है जो भारत को ईरान, अर्मेनिया, जॉर्जिया और आगे ब्लैक सी के जरिए यूरोप से जोड़ सकती है। यह परियोजना उत्तर-दक्षिण अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारे (INSTC) का विस्तार भी बन सकती है, जो भारत को रूस और यूरोप तक पहुंचने का रास्ता खोलती है। अभी तक यह क्षेत्र चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के प्रभाव मै है और आर्नेनिया इससे अलग है, ऐसे मे आर्मेनिया में निवेश कर भारत कई दुश्मनों को एक साथ काउंटर कर सकता है। आर्मेनिया के स्ट्रैटजिक एक्सपर्ट एन्वार्ड चालिक्यान ने फर्स्ट पोस्ट की रिपोर्ट में कहा है कि "भारत यदि यूरोप तक एक वैकल्पिक मार्ग चाहता है, जो न तुर्की होकर जाए और न अजरबैजान से, तो अर्मेनिया-जॉर्जिया के रास्ते ब्लैक सी के जरिए कनेक्टिविटी सबसे अच्छा विकल्प है।" मौजूदा समय में पारंपरिक शिपिंग रूट्स, जैसे कि रूस-यूक्रेन मार्ग युद्ध की वजह से अस्थिर हो चुके हैं। ऐसे में भारत का ब्लैक सी कॉरिडोर ईरान, अर्मेनिया और जॉर्जिया से होते हुए ब्लैक सी के जरिये यूरोप तक पहुंच बना सकता है। हालांकि इस रास्ते में एक चुनौती ईरान पर लगे पश्चिमी प्रतिबंध हैं, लेकिन भारत और अर्मेनिया दोनों के लिए यह सामरिक और व्यापारिक दृष्टि से इतना महत्वपूर्ण है कि वे अपने-अपने कूटनीतिक प्रयासों के जरिए इसे कॉरिडोर को साकार कर सकते हैं। मौजूदा समय में जब चीन अपने बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट के जरिए मध्य एशिया में जड़ें जमा रहा है और पाकिस्तान, अजरबैजान, तुर्की मिलकर एक वैकल्पिक धुरी बना रहे हैं, तो भारत के पास एक दुर्लभ मौका है कि वो ब्लैक सी कॉरिडोर और अर्मेनिया जैसे भरोसेमंद साझेदारों के जरिए यूरेशिया में अपनी स्थायी मौजूदगी बनाए। यह रणनीति भारत को सिर्फ व्यापारिक लाभ नहीं देगी, बल्कि उसे वैश्विक सत्ता समीकरण में एक स्थायी खिलाड़ी बनने का रास्ता भी खोलेगी। एन्वार्ड चालिक्यान का कहना है कि अजरबैजान, पाकिस्तान और तुर्की 'तीन भाई' की तरह व्यवहार कर रहे हैं ऐसे में ये कॉरिडोर और आर्मेनिया से भारत की मजबूत दोस्ती समय की मांग है। वहीं नेर्सिसियन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत साइप्रस, ग्रीस और आर्मेनिया के साथ मिलकर नया गठबंधन बना सकता है। उन्होंने कहा, "ग्रीस पहला नाटो देश था जिसने 90 के दशक में आर्मेनिया को रक्षा क्षेत्र में समर्थन देना शुरू किया था, जब आर्मेनिया ने अपनी स्वतंत्रता वापस पा ली थी।" उन्होंने कहा कि "यह देखना बहुत अच्छा है कि यूरोप में भारत के साझेदार और यूरोप में आर्मेनिया के साझेदार एक ही देश हैं। हम यह देखकर बहुत खुश हैं कि भारत के साइप्रस और ग्रीस के साथ गहरे संबंध हैं। साइप्रस भी हमारे करीबी साझेदारों में से एक है, साइप्रस और ग्रीस के साथ रक्षा में हमारा पहले से ही एक त्रिपक्षीय सहयोग समझौता है। यह देखना बहुत दिलचस्प होगा कि भारत को इस समीकरण में कैसे जोड़ा जा सकता है।" यानि भारत अगर इस मौके को साध लेता है तो यह गलियारा उसकी यूरेशिया नीति का स्थायी स्तंभ बन सकता है और चीन, पाकिस्तान और तुर्की के प्रभाव को भारत संतुलित भी कर सकता है।

परमाणु बम बनाने की ओर बढ़ा ईरान, राष्ट्रपति का बड़ा फैसला, इजरायल-अमेरिका की अटकी सांसें

एजेंसी तेहरान

ईरान ने संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था IAEA के साथ सहयोग को निलंबित करने का ऐलान किया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने बुधवार को यह घोषणा की। ईरान का यह फैसला इजरायल और अमेरिका के उसके परमाणु संयंत्रों पर हमलों के बाद आया है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि ईरान इस निलंबन की आड़ में परमाणु बम बना सकता है। अमेरिका ने पहले भी ऐसी आशंका जताई है कि उसके हमलों के पहले ही ईरानी परमाणु संयंत्रों से 400 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम चोरी हो चुके हैं, जिनसे कम से कम 10 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं। माना जा रहा है कि इससे इजरायल और अमेरिका की टेंशन बढ़ सकती है। ईरान की संसद ने आईएईए के साथ संबंधों को निलंबित करने वाले विधेयक को पहले ही मंजूरी दे दी थी। अब इस पर राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भी हस्ताक्षर कर दिया है। इस कानून में लिखा है, "देश की शांतिपूर्ण परमाणु सुविधाओं के संबंध में ज़ायोनी शासन और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन और ईरान के सर्वोच्च हितों के खतरे को देखते हुए, 1969 वियना संधि के अनुच्छेद 60 के आधार पर, सरकार परमाणु अप्रसार संधि (NPT) और इसके सुरक्षा उपायों के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ किसी भी सहयोग को तुरंत निलंबित करने के लिए बाध्य है, जब तक कि सुविधाओं और वैज्ञानिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने सहित कुछ शर्तें पूरी नहीं हो जातीं।" ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघई ने सोमवार को कहा कि देश से अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ सामान्य सहयोग सुनिश्चित करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है, जब इजरायल और अमेरिकी हमलों से परमाणु स्थलों पर हमला होने के कुछ दिनों बाद भी एजेंसी निरीक्षकों की सुरक्षा की गारंटी नहीं दी

जा सकती है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि "जब तक हमारी परमाणु गतिविधियों की सुरक्षा और संरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती है, तब तक उसने IAEA के साथ सहयोग करना बंद कर दिया है।" उन्होंने यह भी संकेत दिया कि तेहरान संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था, IAEA के प्रमुख द्वारा ईरानी परमाणु स्थलों का दौरा करने के किसी भी अनुरोध को अस्वीकार कर सकता है। अराघची ने दावा किया कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि एजेंसी के महानिदेशक, राफेल ग्रॉसी ने IAEA के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करने में मदद की थी, जो "राजनीति से प्रेरित" था। ईरानी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि अमेरिका और इजरायली सेना द्वारा उनके देश की परमाणु सुविधाओं पर किए गए हमलों को भी इस निर्णय में शामिल किया गया। अराघची ने दावा किया कि हमले "IAEA सुरक्षा उपायों का घोर उल्लंघन" थे, और ग्रॉसी ने उनकी निंदा नहीं की। अराघची ने यह भी दावा किया कि ग्रॉसी की उन परमाणु हमलों का दौरा करने की इच्छा "अर्थहीन और संभवतः दुर्भावनापूर्ण इरादे वाली है।" इस फैसले के बाद एजेंसी के प्रमुख ग्रॉसी ने IAEA निरीक्षकों द्वारा ईरान में अपनी सत्यापन गतिविधियों को जारी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

चीन पुनर्जन्म की प्रक्रिया से बाहर निकाले जाने के बाद आगबबूला, पोटली से निकाला `स्वर्ण कलश' फॉर्मूला, क्या दो दलाई लामा होंगे

एजेंसी बीजिंग

चीन ने बुधवार को कहा कि अगले दलाई लामा के पुनर्जन्म को उसकी केंद्रीय सरकार से मंजूरी मिलना जरूरी है। चीन ने कहा है कि अगले दलाई लामा का चुनाव और पूरी प्रक्रिया चीन के ही अंदर होनी चाहिए। चीन का ये बयान दलाई लामा की उस घोषणा के कुछ ही घंटों बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनका पुनर्जन्म होगा और नया दलाई लामा चीन के बाहर का होगा। दलाई लामा ने कहा है कि उनके उत्तराधिकारी को पहचानने का अधिकार सिर्फ भारत स्थित उनके कार्यालय "गदेन फोड्रांग ट्रस्ट" के पास है। उन्होंने दो टूक कहा, "किसी अन्य को इसमें हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है।" जिसके बाद चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि "दलाई लामा, पंचेन लामा और अन्य महान बौद्ध हस्तियों के पुनर्जन्म को एक स्वर्ण कलश से लॉटरी निकालकर चुना जाना चाहिए और (चीन) केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।" रविवार को दलाई लामा 90 साल के हो जाएंगे और उनकी शारीरिक स्थिति भी कमजोर हो रही है। ऐसे में अगले दलाई लामा को लेकर विवाद अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। चीन चाहता है कि अगला दलाई लामा चीन का हो, ताकि तिब्बत पर उसका पूरी तरह से नियंत्रण हो जाए। लेकिन दलाई लामा

के इस बयान के बाद कि अगला दलाई लामा चीन के बाहर का होगा, उनके लाखों अनुयायियों के बीच वर्षों से चल रही इस अटकलबाजी को समाप्त कर दिया कि क्या उनके बाद कोई और दलाई लामा होगा? चीन का कहना है कि अगला दलाई लामा उसकी इजाजत से और 18वीं सदी की "गोल्डन अर्न" (स्वर्ण कलश) प्रक्रिया के माध्यम से ही चुना जाएगा। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने साफ किया है कि पुनर्जन्म की कोई भी मान्यता तभी वैध होगी, जब वह चीन सरकार से अनुमोदित हो। यानि चीन अपने एजेंडे से पीछे हटने को तैयार नहीं है। चीन का यह रवैया न सिर्फ तिब्बतियों की धार्मिक स्वतंत्रता को ठेस पहुंचाता है बल्कि तिब्बत पर और कंट्रोल करने के उसके इरादे को दिखाता है। दूसरी तरफ दलाई लामा और उनके समर्थकों का कहना है कि चीन द्वारा चुना गया कोई भी दलाई लामा तिब्बतियों और वैश्विक समुदाय द्वारा कभी मान्यता नहीं पाएगा। तिब्बती संसद की सदस्य यूदोन औकातसांग ने बीबीसी को बताया है कि "चीन द्वारा चुना गया दलाई लामा तिब्बतियों के लिए कभी मान्य नहीं होगा और विश्व समुदाय भी उसे स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि चीन के पास इस प्रक्रिया के लिए कोई वैधता नहीं है।" यही नहीं, भारत, अमेरिका और कई यूरोपीय देश भी चीन के इस हस्तक्षेप पर चिंता जता चुके हैं। तिब्बत विशेषज्ञ जॉन पॉवर्स, जो मेलबर्न विश्वविद्यालय में बौद्ध धर्म अध्ययन के लेक्चरर हैं, उनका कहना है कि "चीनी कम्युनिस्ट पार्टी शायद किसी तरह का नकली समारोह आयोजित करेगी और वे लामाओं को इसमें भाग लेने के लिए मजबूर करेंगे और दिखावा करेंगे कि यह एक वैध अभ्यास है।" यानि मौजूदा दलाई लामा के शरीर छोड़ने के बाद दो दलाई लामा हो सकते हैं। एक दलाई लामा, जिनका चुनाव तिब्बत संस्कृति के मुताबिक होगा और दूसरा दलाई लामा, जिनका चुनाव चीन करेगा।

ड्रोन, युद्धपोत, पनडुब्बी ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्की ने पाकिस्तान की बढ़ाई सैन्य मदद, टेंशन में भारत

एजेंसी अंकारा

तुर्की ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को सैन्य सहायता बढ़ा दी है। इसमें मुख्य तौर पर सैन्य ड्रोन शामिल हैं, जो हमले के अलावा टोही और निगरानी मिशन को अंजाम दे सकते हैं। इसके अलावा तुर्की ने पाकिस्तान को बड़ी मात्रा में हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और छोटे हथियारों की भी आपूर्ति की है। तुर्की पाकिस्तान की नौसैनिक ताकत बढ़ाने में भी मदद कर रहा है। माना जा रहा है कि तुर्की की इस सैन्य सहायता से भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पाकिस्तान पहले से ही भारत के खिलाफ साजिशें रच रहा है। ऐसी खबरें हैं कि पाकिस्तान ने लाइन ऑफ कंट्रोल पर आतंकवादियों के लॉन्चिंग पैड को फिर से एक्टिव कर दिया है। न्यूज 18 की रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान 80 KARGI लोइटरिंग युद्ध सामग्री प्राप्त करने के लिए तुर्की के साथ बातचीत कर रहा है। ये ऑटोनोमस ड्रोन 500 समुद्री मील के दायरे में लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम हैं। इसके अलावा ये ड्रोन 15,000 फीट की ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं और 18 किलोग्राम वारहेड के साथ हमला कर सकते हैं। रिपोर्ट में इस सौदे की अनुमानित कीमत 20 मिलियन डॉलर बताई गई है। तुर्की पाकिस्तान को पहले से ही औपचारिक अनुबंध के बिना 50 YIHA UAV की आपूर्ति कर रहा है। तुर्की-पाकिस्तान संबंध साझा भू-राजनीतिक उद्देश्यों और वैचारिक झुकावों के आधार पर हाल के वर्षों में काफी मजबूत हुए हैं। तुर्की कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थन करता है और बदले में पाकिस्तान भी ग्रीस और साइप्रस के साथ विवाद में तुर्की का समर्थन करता है। तुर्की चीन के बाद पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन गया है। 2015-2019 और 2020-2024 के बीच पाकिस्तान को तुर्की के हथियारों के निर्यात में 103% की वृद्धि हुई है। पाकिस्तान और तुर्की के प्रमुख रक्षा सौदों में बायरकटर टीबी2 ड्रोन और केमांकेस क्रूज मिसाइलों का अधिग्रहण, सामरिक हमलों के लिए असीसगार्ड सोंगर सशस्त्र यूएवी की खरीद, पाकिस्तान की नौसेना को आधुनिक बनाने के लिए चार MILGEM-क्लास कोरवेट के लिए $1। 5 बिलियन का सौदा और पाकिस्तान की अगोस्टा 90B पनडुब्बियों को अपग्रेड करना शामिल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की ने न सिर्फ पाकिस्तान का समर्थन किया था, बल्कि उसे सैन्य सहायता भी दिया था। तुर्की ने पाकिस्तान को बेराकटर टीबी2, वाईआईएचए और सोंगर्स ड्रोन दिए, जिनका इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया गया। कई रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि तुर्की के सैन्य ऑपरेटिव भारतीय सेना के खिलाफ़ रियल-टाइम स्ट्राइक ऑपरेशन में शामिल थे। इन्हीं रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारतीय जवाबी कार्रवाई में कम से कम दो तुर्की सैन्य ऑपरेटिव के मारे जाने की पुष्टि हुई थी। तुर्की और पाकिस्तान के बढ़ते संबंधों से भारत चौकन्ना है। ये दोनों देश सिर्फ सैन्य सहयोह को ही नहीं बढ़ा रहे हैं, बल्कि उपग्रह प्रौद्योगिकी, साइबर युद्ध और अंतरिक्ष अन्वेषण में संयुक्त उपक्रमों तक इसका विस्तार कर रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए कई मोर्चों पर खतरा बढ़ रहा है। ऐसे में पाकिस्तान और तुर्की की जोड़ी को काउंटर करने के लिए भारत ने न सिर्फ पूर्वी यूरोप के देशों ग्रीस, आर्मेनिया और साइप्रस के साथ संबंधों का विस्तार किया है, बल्कि काउंटर-ड्रोन सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध इकाइयों की खरीद में तेजी लाया है।

नायक फिल्म की तरह इस देश को मिला एक दिन का प्रधानमंत्री, 24 घंटे बाद देंगे `इस्तीफा', कारण क्या है

एजेंसी बैंकॉक

वर्ष 2001 में एक फिल्म आई थी नायक। इस फिल्म में अनिल कपूर लीड रोल में थे। फिल्म में उन्हें एक दिन के लिए प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया था। ठीक वैसी ही स्क्रिप्ट एशिया के एक देश में दोहराई गई है, जिसका नाम थाईलैंड है। थाईलैंड में बुधवार को अनुभवी राजनीतिज्ञ और उप प्रधानमंत्री सूर्या जुंगरुंगरेंगकिट ने देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। वह सिर्फ 24 घंटों तक इस पद पर रहेंगे। इसके बाद उन्हें निर्धारित कैबिनेट फेरबदल में बदल दिया जाएगा। दरअसल, सूर्या जुंगरुंगरेंगकिट की यह नियुक्ति संवैधानिक न्यायालय द्वारा मंगलवार को प्रधानमंत्री पेटोंगटार्न शिनावात्रा को निलंबित करने के बाद की गई है। पेटोंगटार्न शिनावात्रा पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की बेटी हैं। अदालत ने पाया कि 38 वर्षीय पैतोंगटार्न ने कंबोडिया से जुड़े एक कूटनीतिक विवाद के बीच मंत्री पद की नैतिकता का उल्लंघन किया है।

इस विवाद की जड़ एक लीक हुई ऑडियो रिकॉर्डिंग थी जिसमें पैतोंगटार्न ने कंबोडिया के पूर्व नेता हुन सेन को "चाचा" कहा और अपने ही देश के सैन्य कमांडर को अपना "प्रतिद्वंद्वी" बताया। मई में दोनों देशों के बीच सीमा पर तनाव पैदा हुआ था। इस दौरान हुई झड़पों में कंबोडिया के एक सैनिक की मौत भी हुई थी। ऐसे में थाईलैंड की प्रधानमंत्री पेटोंगटार्न शिनावात्रा की टिप्पणियों से लोग भड़क गए और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। लोगों ने उन पर थाई सेना को कमजोर करने के आरोप लगाए। हालांकि, पहले सरकार ने प्रधानमंत्री पेटोंगटार्न शिनावात्रा के इस्तीफे से इनकार कर दिया, लेकिन बाद में कोर्ट के आदेश के सामने उन्हें झुकना पड़ा। पैतोंगटार्न शिनावात्रा के निलंबन ने उनके परिवार के राजनीतिक वंश के सामने पहले से ही चल रही उथल-पुथल को और बढ़ा दिया है। उनके पिता थाकसिन शिनावात्रा वर्तमान में अदालत में शाही मानहानि के आरोपों का सामना कर रहे हैं। नए मंत्रिमंडल में खुद को संस्कृति मंत्री का पद सौंपने के बावजूद, पैटोंगटार्न का शीर्ष पद से हटना थाई राजनीति पर शिनवात्रा परिवार की कमजोर होती पकड़ को दर्शाता है। कभी सत्तारूढ़ फेउ थाई पार्टी के पीछे अजेय शक्ति के रूप में देखी जाने वाली पैतोंगटार्न की गिरती स्वीकृति रेटिंग और गठबंधन सहयोगियों द्वारा उनका साथ छोड़ देने से उनकी स्थिति काफी कमजोर हो गई है।

बांग्लादेश की पूर्व PM शेख हसीना को 6 महीने जेल की सजा, इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल ब्यूरो का फैसला, यूनुस ने लिया बदला

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को 6 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। ढाका स्थित इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल (ICT) ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री और आवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना को अदालत की अवमानना के मामले में छह महीने की सजा सुनाई है। यह फैसला बुधवार को ICT-1 की तीन सदस्यीय पीठ ने सुनाया है, जिसकी अध्यक्षता जस्टिस मोहम्मद गोलाम मोर्तुजा मोजूमदार कर रहे थे। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि शेख हसीना द्वारा न्यायालय की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले बयान दिए गए, जिससे न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठे हैं। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये मामला पिछले साल अक्टूबर का है, जब एक फोन कॉल लीक हुआ था। ऑडियो क्लिप के जरिए दावा किया गया कि वो शेख हसीना की आवाज है, जिसमें वो कथित तौर पर शकील अकंद बुलबुल के साथ बात कर रहीं थी। जिसमें वो कह रही थीं कि उनके खिलाफ 227 मुकदमे दर्ज हैं, इसलिए उन्हें 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल गया है। उनके इसी बयान को कोर्ट ने अदालत का अवमानना माना है। आपको बता दें कि ICT बांग्लादेश मुक्ति संग्राम 1971 के दौरान युद्ध अपराधों की जांच और न्याय करने के लिए बनाया गया स्पेशल कोर्ट है। माना जा रहा है कि मोहम्मद यूनुस, शेख हसीना और उनकी पार्टी की राजनीति को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। आपको बता दें कि पिछले साल अगस्त महीने में शेख हसीना की सरकार का पतन हुआ था, जिसके बाद से मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार की भूमिका में हैं। शेख हसीना और मोहम्मद यूनुस के बीच वर्षों पुरानी तनातनी किसी से छिपी नहीं है। यूनुस को जब माइक्रोफाइनेंस मॉडल के लिए नोबेल शांति पुरस्कार मिला और वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हुए, तो यह बात शेख हसीना को रास नहीं आई थी। उन्होंने यूनुस पर कर चोरी और अनियमितताओं के आरोप लगाए, यहां तक कि उन्हें ग्रामीण बैंक से हटाने की भी कोशिश की गई। इसके जवाब में यूनुस ने भी कई अंतरराष्ट्रीय मंचों से बांग्लादेश सरकार की आलोचना की थी, जिससे रिश्ते और तल्ख हो गए। शेख हसीना, बांग्लादेश की सबसे शक्तिशाली और लंबे समय तक शासन करने वाली नेता रही हैं। लेकिन शेख हसीना पर लंबे समय से यह आरोप लगता रहा कि उन्होंने विपक्षी दलों, खासकर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) को कुचलने की नीति अपनाई। कई विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया, राजनीतिक सभाओं पर रोक लगाई गई और मीडिया पर सख्त नियंत्रण किया गया। आपको बता दें कि शेख हसीना बांग्लादेश की सबसे प्रमुख और प्रभावशाली राजनेता मानी जाती हैं। वह बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और "अवामी लीग" की अध्यक्ष रही हैं। उनका राजनीतिक जीवन बांग्लादेश की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और संघर्षों से गहराई से जुड़ा रहा है। शेख हसीना का जन्म 28 सितंबर 1947 को बांग्लादेश के गुपालगंज के तुंगीपाड़ा में हुआ था। वह बांग्लादेश के संस्थापक और पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हैं। 1975 में जब शेख मुजीब और उनके परिवार के ज्यादातर सदस्य सैन्य तख्तापलट में मारे गए, तब शेख हसीना और उनकी बहन विदेश में थीं, जिससे उनकी जान बच गई थी।

एनसी क्लासिक जैवलिन इवेंट में नीरज चोपड़ा हैं सबसे प्रबल दावेदार, ये दिग्गज भी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी | नीरज चोपड़ा क्लासिक जैवलिन थ्रो टूर्नामेंट में दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा खिताब के प्रबल दावेदार हैं। साथ ही उनकी नजरें इस साल में दूसरी बार 90 मीटर की बाधा पार करने पर होंगी। 27 वर्ष के नीरज इस खेल में लगभग सभी खिताब जीत चुके हैं।

अपने नाम वाले नीरज चोपड़ा क्लासिक जैवलिन थ्रो टूर्नामेंट में दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा खिताब के प्रबल दावेदार हैं। साथ ही उनकी नजरें इस साल में दूसरी बार 90 मीटर की बाधा पार करने पर होंगी। 27 वर्ष के नीरज इस खेल में लगभग सभी खिताब जीत चुके हैं, जिनमें ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप गोल्ड मेडल, डायमंड लीग फाइनल ट्रॉफी, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल गोल्ड मेडल शामिल हैं।

नीरज चोपड़ा क्लासिक का पहला सत्र भारतीय फैंस को विश्व स्तरीय टूर्नामेंट देखने का मौका देने के मकसद से आयोजित किया गया है जिससे खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। चोपड़ा ने स्वीडन के पोल वॉल्टर अर्मांडो डुप्लांटिस और कीनिया के लंबी दूरी के धावक किपचोगे कीनो से प्रेरणा ली है जिनके नाम पर अतंर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट मोंडो क्लासिक और किप कीनो क्लासिक होते हैं।

कांतीरावा स्टेडियम पर होने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय फैंस को चोपड़ा को खेलते हुए देखने का मौका मिलेगा। वह भी फिर से 90 मीटर से ऊपर का थ्रो फेंकना चाहेंगे जो उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में फेंका था। चोपड़ा एक साल बाद भारत में खेल रहे हैं। टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड और पेरिस में सिल्वर मेडल जीतने वाले हरियाणा के इस खिलाड़ी ने कहा कि, भारत में इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन लंबे समय से मेरा सपना रहा है जो सच होने जा रहा है। मैं बहुत रोमांचित हूं। मैंने देश के लिए ओलंपिक और अन्य पदक जीते हैं लेकिन अब इस टूर्नामेंट के जरिए भारतीय एथलेटिक्स, एथलीटों और फैंस को कुछ लौटाने जा रहा हूं।

तीसरे दिन चला 'मियां मैजिक', सिराज-आकाशदीप ने चटका दिए 10 विकेट; भारत को 244 की बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी | बर्मिंघम टेस्ट में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर 64 रन बना लिए हैं.

बर्मिंघम टेस्ट में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर 64 रन बना लिए हैं. टीम इंडिया की कुल बढ़त 244 रनों की हो गई है. भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए थे, जिसके जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 407 रनों पर सिमट गई थी. मैच के तीसरे दिन भारत के लिए मोहम्मद सिराज ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं, जिन्होंने कुल 6 विकेट चटकाए.

तीसरे दिन इंग्लैंड ने 77/3 से अपने स्कोर को आगे बढ़ाया. दिन का खेल शुरू होने के कुछ ही ओवरों बाद मोहम्मद सिराज की आग उगलती गेंदों ने जो रूट और बेन स्टोक्स को लगातार दो गेंदों पर आउट कर दिया. रूट सिर्फ 22 रन बनाकर आउट हो गए. इंग्लैंड की आधी टीम 84 के स्कोर तक पवेलियन लौट चुकी थी, लेकिन हैरी ब्रूक और जैमी स्मिथ ने अपनी टीम की लाज बचाई.

हैरी ब्रूक ने 158 रन बनाए, वहीं जैमी स्मिथ 184 रन बनाकर नाबाद रहे. उनके बीच 303 रनों की शानदार साझेदारी हुई. एक समय इंग्लैंड ने 5 विकेट के नुकसान पर 387 रन बना लिए थे, लेकिन इसके बाद 21 रनों के भीतर इंग्लैंड टीम ने बाकी 5 विकेट गंवा दिए.

सरकारी उपेक्षा के कारण ओबेदुल्ला गोल्ड कप हॉकी का भविष्य अधर में : असलम शेर खान

नयी दिल्ली, एजेंसी | भारत की विश्व कप 1975 में खिताबी जीत के नायक रहे पूर्व हॉकी खिलाड़ी असलम शेर खान ने आरोप लगाया है कि मध्यप्रदेश सरकार की उपेक्षा के कारण भोपाल की विरासत का हिस्सा रहे ओबेदुल्ला कप टूर्नामेंट का भविष्य अधर में है ।

पूर्व ओलंपियन असलम ने भाषा से कहा ,'' यह सिर्फ एक हॉकी टूर्नामेंट नहीं बल्कि भोपाल की विरासत का हिस्सा है । हमने इस साल इसे पुनर्जीवित करने के लिये हॉकी इंडिया से अनुमति लेने के बाद आयोजन समिति का गठन किया और मई में इसका आयोजन होना था लेकिन बारंबार संपर्क के बावजूद प्रदेश सरकार से कोई जवाब नहीं मिला ।''

असलम की अध्यक्षता में गठित समिति का कहना है कि उन्होंने प्रदेश के खेल निदेशक और भोपाल के कमिश्नर को ईमेल भेजे लेकिन कोई जवाब नहीं मिला । उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट पहले 14 अप्रैल से होना था लेकिन ऐशबाग स्टेडियम की मरम्मत के कारण इसे 22 मई को कराने का फैसला लिया गया ।

असलम ने कहा ,'' हमने बार बार संपर्क करने की कोशिश की लेकिन कोई जवाब नहीं मिला । हमने 12 टीमों को आमंत्रित भी कर लिया था जिन्होंने भागीदारी की पुष्टि की थी जिनमें सेना एकादश, रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड, भारतीय वायुसेना, भारतीय नौसेना, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी उत्तर प्रदेश , हॉकी झारखंड शामिल है ।''

एहसान मुहम्मद, लतीफुर रहमान, अख्तर हुसैन, इनामुर रहमान, असलम शेर खान , सैयद जलालुद्दीन रिजवी और समीर दाद जैसे अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी देने वाले ओबेदुल्ला कप की शुरूआत 1931 में भोपाल रियासत के नवाब के संरक्षण में हुई थी ।

बैतूल से कांग्रेस के पूर्व सांसद रहे असलम ने कहा कि मध्यप्रदेश हॉकी और भोपाल हॉकी संघ के आपसी झगड़ों का खामियाजा इस टूर्नामेंट को भुगतना पड़ा है।

गुकेश ने तोड़ा कार्लसन का घमंड, शतरंज में दी मात

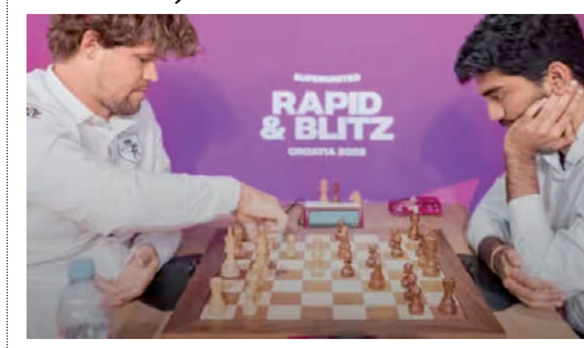

नई दिल्ली, एजेंसी | मैग्नस कार्लसन के 'कमजोर खिलाड़ी' वाले बयान का डी. गुकेश ने बोर्ड पर करारा जवाब दिया. ग्रैंड चेस टूर्नामेंट में उन्होंने लगातार दूसरी बार दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को हराकर अपनी क्लास साबित कर दी है.

भारतीय शतरंज के युवा सितारे डी. गुकेश ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अपने खेल से दिग्गजों को भी पछाड़ सकते हैं. क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रहे ग्रैंड चेस टूर्नामेंट के छठे राउंड में गुकेश ने दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को पटखनी दे दी है. दिलचस्प बात यह रही कि मैच से पहले कार्लसन ने गुकेश को कमजोर खिलाड़ी बताते हुए उनका मजाक उड़ाया था, लेकिन गुकेश ने उनके इस मजाक का जवाब शब्दों से नहीं बल्कि अपनी चालों से दिया है.

मैच से पहले मजाक, चेस में दी मात - मैग्नस ने मीडिया से बात करते हुए कहा था, 'मैं इस मैच को वैसे ही लूंगा जैसे मै किसी कमजोर खिलाड़ी से खेल रहा हूं. गुकेश ने अभी तक ऐसा कुछ नहीं किया है जिससे लगे कि वो इस फॉर्मेट में बेस्ट खिलाड़ियों में गिने जा सकते हैं.'

कार्लसन की यह टिप्पणी गुकेश को हल्के में लेने की कोशिश थी, लेकिन गुकेश ने उनकी इस बात पर कोई बयान नहीं दिया, बल्कि सीधे शतरंज के मैच में उन्हें हराकर उनके घमंड को चकनाचूर कर दिया है.

लगातार दूसरी बार कार्लसन को दी शिकस्त - यह पहला मौका नहीं है जब गुकेश ने कार्लसन को हराया हो. इससे पहले नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भी उन्होंने कार्लसन को हराकर सबको चौंका दिया था. उस जीत के साथ वह कार्लसन को क्लासिकल फॉर्मेट में हराने वाले कुछ चुनिंदा भारतीयों में शामिल हुए थे. उनसे पहले भारत के आर. प्रज्ञानानंदा भी कार्लसन को हार का स्वाद चखा चुके हैं. अब ग्रैंड चेस टूर्नामेंट में गुकेश ने लगातार दूसरी जीत दर्ज कर दिखा दिया कि उनकी कामयाबी एक संयोग नहीं, बल्कि मेहनत और प्रतिभा का नतीजा है.

गुकेश का अब तक का प्रदर्शन शानदार - ग्रैंड शतरंज टूर्नामेंट के पहले दिन गुकेश ने तीन में से दो मैच जीतकर बढ़िया शुरुआत की थी. इसके बाद चौथे राउंड में उन्होंने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया और पांचवें राउंड में अमेरिका के फैबियानो कारुआना को शिकस्त दी थी.अब छठे राउंड में कार्लसन को हराकर वो टूर्नामेंट में 10 अंको के साथ टॉप पोजिशन पर पहुंच चुके हैं.

गैरी कास्पारोव ने कार्लसन पर कसा तंज - पूर्व वर्ल्ड चैंपियन गैरी कास्पारोव ने गुकेश की इस जीत को खास बताते हुए कार्लसन की हार पर तंज कसते हुए कहा, 'ये मैग्नस की सिर्फ दूसरी हार नहीं है, ये उनके लिए एक बहुत बड़ी हार है. अब हमें कार्लसन के वर्चस्व पर सवाल उठाने चाहिए.'

गैरी का यह बयान वर्ल्ड चेस फेडरेशन ने भी अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिससे यह जीत और भी खास बन जाती है.

नोवाक जोकोविच का बेहतरीन प्रदर्शन, तीसरे राउंड में पहुंचने के साथ ही बनाया रिकॉर्ड

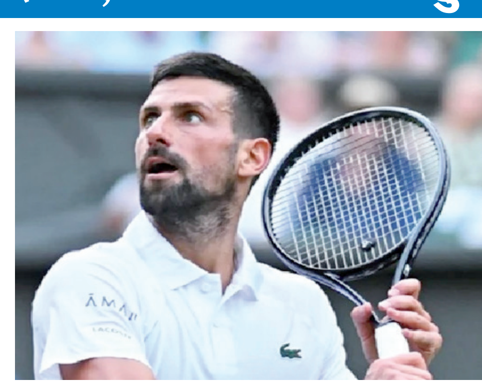

नई दिल्ली, एजेंसी | नोवाक जोकोविच ने विंबलडन 2025 में अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए डैन इवांस को सीधे सेटों में 6-3, 6-2, 6-0 से मात दी। इसके साथ ही उन्होंने मेन्स सिंगल्स के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। इस जीत के साथ जोकोविच ने टूर्नामेंट में अपना 99वां मुकाबला अपने नाम किया और 19वीं बार तीसरे दौर में पहुंचने वाले ओपन एरा के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए।

विंबलडन 2025 में नोवाक जोकोविच ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखा है। इस दौरान उन्होंने डैन इवांस को सीधे सेटों में 6-3, 6-2, 6-0 से मात देकर मेन्स सिंगल्स के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। इस जीत के साथ जोकोविच ने टूर्नामेंट में अपना 99वां मुकाबला अपने नाम किया और 19वीं बार तीसरे दौर में पहुंचने वाले ओपन एरा के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इससे पहले ये रिकॉर्ड दिग्गज रोजर फेडरर के नाम था, जिन्होंने 18 बार विबंलडन के तीसरे दौर तक का सफर तय किया था।

इस 38 वर्षीय टेनिस स्टार ने अब तक सात विंबलडन खिताब और कुल 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस मौके पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि 19 बार तीसरे दौर में पहुंचना बेहतरीन है।ये संख्या शायद यानिक सिनर और कार्लोस अल्कारेज की उम्र जितनी है। बता दें कि, पिछले दो विंबलडन फाइनल में जोकोविच को हराने वाले अल्कारेज की उम्र 22 साल है जबकि दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर 23 साल के हैं।

वहीं महिला सिंगल्स कैटेगरी की बात करें तो, सातवीं वरीयता प्राप्त मीरा आंद्रीवा ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-1, 7-6 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं, 10वीं वरीय ऐमा नवारो ने एकतरफा मुकाबले में वैरोनिका कुदरमेतोवा को 6-1, 6-2 से हराया।

व्यापार

असम में निवेश के अवसर, चाय व्यापार, पर्यटन की संभावनाओं को न्यूयॉर्क में किया गया प्रदर्शित

नई दिल्ली, एजेंसी | असम चाय के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने अमेरिका के प्रमुख चाय खरीदारों के साथ असम चाय के प्रमुख उत्पादकों एवं आपूर्तिकर्ताओं के लिए बैठक आयोजित की।

असम के व्यापार और पर्यटन की संभावनाओं में निवेश के अवसरों को न्यूयॉर्क में उद्योग जगत के लोगों के समक्ष पेश किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस दौरान असम चाय पर एक विशेष बी2बी (व्यापार से व्यापार) क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित की गई। अमेरिका के शहर न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर दोनों कार्यक्रमों की मेजबानी करने की जानकारी दी।

उसने लिखा, '' न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने असम में व्यापार एवं निवेश के अवसरों पर अमेरिका-भारत सामरिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के साथ गोलमेज सम्मेलन की मेजबानी की।'' अमेरिका-भारत सामरिक साझेदारी मंच, एक गैर-सरकारी संगठन है जो भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी बनाने की दिशा में काम कर रहा है। 'एक्स' पर दी जानकारी के अनुसार, असम के मुख्य सचिव रवि कोटा और महावाणिज्य दूत बिनया एस. प्रधान ने बैठक में उद्योग जगत के लोगों के साथ अपने विचार साझा किए। इसमें कहा गया, '' कार्यक्रम में व्यापार, पर्यटन और निवेश में असम की अपार संभावनाओं पर बात की गई।

इसमें शेफ विकास खन्ना को बैठक में शामिल होने और अपने विचार साझा करने के लिए धन्यवाद दिया गया।'' 'एक्स' पर जानकारी दी गई, '' असम चाय के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने अमेरिका के प्रमुख चाय खरीदारों के साथ असम चाय के प्रमुख उत्पादकों एवं आपूर्तिकर्ताओं के लिए बैठक आयोजित की।'' कोटा और वाणिज्य दूत (व्यापार) ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और असम चाय की विशेषताओं और विवरण की जानकारी दी।

भारतीय बाजार में कारोबार पर रोक के सेबी के एक्शन आया अमेरिकी फर्म का रिएक्शन

सेबी ने अपने आदेश की कॉपी में कहा कि 2023 के जनवरी से लेकर 2025 के मार्च तक जेन स्ट्रीट ने करीब 36500 करोड़ से ज्यादा का मुनाफा कमाया है.

नई दिल्ली, एजेंसी | अमेरिकी फर्म Jane Street के ऊपर मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड यानी सेबी ने बड़ा एक्शन लेते हुए उसके भारतीय बाजार में कारोबार पर पूरी तरह से बैन लगा दिया है. सेबी ने उसके ऊपर हेराफेरी और अवैध तरीके से पैसा बनाने का आरोप लगाया है. इसके बाद अब जेन स्ट्रीट का सेबी के इस एक्शन पर बयान आया है.

जेन स्ट्रीट ने शुक्रवार को कहा कि सेबी की तरफ से जो कुछ भी उसके अंतरिम आदेश में कहा गया है, वे उससे सहमत नहीं है. समाजार एजेंसी रायटर्स के मुताबिक, जेन स्ट्रीट का कहना है कि वे जहां भी किसी देश में काम करती है तो उस देश के नियमों का पूरी तरह से पालन करती है.

क्या है जेन स्ट्रीट पर आरोप

दरअसल साल 2000 में बनी जेन स्ट्रीट एक अमेरिकी ग्लोबल ट्रेडिंग फर्म है और दुनिया में ये एक प्रभावी कंपनी है. अमेरिका से लेकर एशिया और यूरोप तक जैन स्ट्रीट का कारोबार दुनियाभर में फैला हुआ है. लेकिन, सेबी की तरफ से एक्शन भारतीय शेयर बाजार में बैंक निफ्टी के जरिए मैनिपुलेशन की गहन जांच के बाद ये लिया गया है.

सेबी ने अपने आदेश की कॉपी में कहा कि 2023 के जनवरी से लेकर 2025 के मार्च तक जेन स्ट्रीट ने करीब 36500 करोड़ से ज्यादा का मुनाफा कमाया है. मार्केट रेगुलेटर का मानना है कि बैंक निफ्टी में ट्रेडिंग कर ये मुनाफा बनाया गया है और इसमें कई तरह की रणनीति अपनाई गई है. इसके साथ ही, जेन स्ट्रीट की ओर से बाजार को मैनुपुलेट भी किया गया है.

जेन स्ट्रीट के भारत में चार फर्म JS Investment private Ltd, JSI2 Investment Private Limited, Jane Street Singapore private Ltd और Jane Street Asia Trading Ltd के जरिए काम करती है. इसमें करीब छब्बीस सौ से अधिक कर्मचारी काम कर रहे हैं.

एशिया प्रशांत के देशों के मुकाबले भारत पर अमेरिकी शुल्क कम रहने की उम्मीद : मूडीज

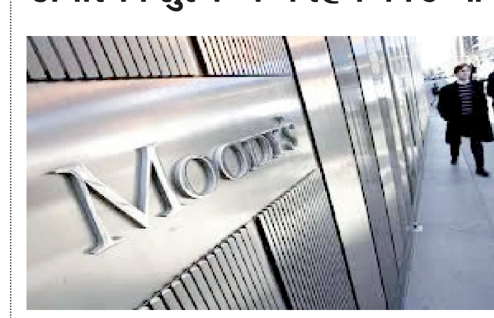

वर्तमान में, भारत और अमेरिका के अधिकारी दोनों देशों के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं।भारत अपने श्रम-गहन उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच की मांग कर रहा है, वहीं अमेरिका अपने कृषि उत्पादों के लिए शुल्क रियायत चाहता है। अमेरिकी जवाबी शुल्क पर रोक नौ जुलाई को समाप्त हो रही है, ऐसे में व्यापारी समझौते के लिए बातचीत महत्वपूर्ण हो जाती है।

नई दिल्ली, एजेंसी | मूडीज रेटिंग्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि एशिया प्रशांत क्षेत्र के कई देशों की तुलना में भारत पर अमेरिकी शुल्क कम रहने की संभावना है, जिससे अर्थव्यवस्था को और अधिक निवेश आकर्षित करने और वैश्विक विनिर्माण आधार बनने में मदद मिल सकती है। एशिया प्रशांत क्षेत्र के परिदृय अपने दृष्टिकोण में मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि कई निर्यात-निर्भर एशिया प्रशांत अर्थव्यवस्थाएं अप्रैल में बहुत अधिक अमेरिकी शुल्क से प्रभावित हुईं।

हालांकि, बातचीत से द्विपक्षीय आधार पर शुल्क और अन्य व्यापार बाधाओं में कुछ कमी आने की संभावना है, लेकिन नीति अनिश्चितता, निवेश निर्णयों को चुनौती दे रही है और व्यापार को बाधित कर रही है। इसने कहा कि व्यापार नीति के बारे में अनिश्चितता और वैश्विक व्यापार के संभावित बदलाव ने एशिया प्रशांत क्षेत्र में चक्रीय और संभवतः संरचनात्मक ऋण जोखिम बढ़ा दिए हैं। मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि चीन से बाहर निवेश और विनिर्माण के विविधीकरण से लाभान्वित होने वाली वियतनाम और कंबोडिया जैसी अर्थव्यवस्थायें अब उच्च अमेरिकी शुल्क का सामना कर रही हैं। ये अर्थव्यवस्थायें विशेष रूप से जोखिम में हैं। मूडीज रेटिंग्स ने कहा, '' कंबोडिया और वियतनाम जैसे देशों के उलट भारत को निवेश और व्यापार प्रवाह में एक शुल्क आधारित बदलाव का लाभ मिल सकता है। एशिया प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) में कई देशों की तुलना में भारत पर कम शुल्क रह सकता है, जो अर्थव्यवस्था को आगे निवेश प्रवाह को आकर्षित करने और एक वैश्विक विनिर्माण आधार के रूप में विकसित होने में मदद कर सकता है।''

मई में ब्रिटेन के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर और यूरोपीय संघ के साथ इसके लिए जारी प्रयास इस तरह के विकास का और समर्थन करेंगे। दो अप्रैल को, अमेरिका ने भारतीय उत्पादों 26 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाया था, लेकिन बाद में इसे 90 दिन के लिए निलंबित कर दिया। हालांकि, अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत का मूल शुल्क लागू है। भारत अतिरिक्त 26 प्रतिशत शुल्क से पूरी छूट चाहता है। वर्तमान में, भारत और अमेरिका के अधिकारी दोनों देशों के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं।भारत अपने श्रम-गहन उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच की मांग कर रहा है, वहीं अमेरिका अपने कृषि उत्पादों के लिए शुल्क रियायत चाहता है। अमेरिकी जवाबी शुल्क पर रोक नौ जुलाई को समाप्त हो रही है, ऐसे में व्यापारी समझौते के लिए बातचीत महत्वपूर्ण हो जाती है।

आखिरी कारोबारी दिन बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 193 अंक चढ़ा, निफ्टी 25400 के पार

शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 193.42 अंक उछलकर 83,432.89 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 55.70 अंक बढ़कर 25,461.00 अंक पर आ गया।

नई दिल्ली, एजेंसी | बैंक शेयरों में खरीदारी और अमेरिकी बाजारों में तेजी के बीच शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए।

कारोबार में उतार-चढ़ाव के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 193.42 अंक या 0.23 प्रतिशत बढ़कर 83,432.89 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 462.03 अंक का उतार-चढ़ाव देखा और 83,477.86 अंक के उच्च और 83,015.83 अंक के निम्न स्तर को छुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 55.70 अंक या 0.22 प्रतिशत बढ़कर 25,461 अंक पर पहुंच गया।

क्या रहा सेंसेक्स कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और लार्सन एंड टूब्रो प्रमुख लाभ में रहे। हालांकि, ट्रेंट, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और मारुति पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजार में गिरावट दिखी -

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार नकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

घरेलू निवेशक बाजार को समर्थन दे रहे हैं

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि हालिया तेजी के बाद, मुख्य सूचकांक उच्चतम मूल्यांकन स्तर के आसपास मँडरा रहे हैं। इससे आगे की तेजी सीमित हो रही है, जो कि पहली तिमाही की आय और व्यापार सौदे के विवरण पर निर्भर है। उन्होंने आगे कहा कि भारतयी बाजार में ठहराव का अनुभव हो रहा है। निवेशक मिलेजुले वैश्विक संकेतों के साथ अमेरिकी टैरिफ समयसीमा से पहले प्रतीक्षा कर रहे हैं। विदेशी निवेशक की जारी निकासी जोखिम-रहित दृष्टिकोण को दर्शाती है। वहीं, घरेलू निवेशकों का समर्थन बाजारों को मिल रहा है।

ब्रेंट क्रूड का भाव घटकर 68.03 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.03 प्रतिशत गिरकर 68.03 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 1,481.19 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,333.06 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। गुरुवार को सेंसेक्स 170.22 अंक या 0.20 प्रतिशत गिरकर 83,239.47 पर बंद हुआ। निफ्टी 48.10 अंक या 0.19 प्रतिशत गिरकर 25,405.30 पर बंद हुआ।

शाहरुख-आमिर खोलेंगे कई राज! काजोल-ट्विंकल की धांसू तैयारी करण जौहर को पीछे छोड़ कई सुपरस्टार्स को लाएंगी साथ!

बॉलीवुड में ऐसे कई एक्टर्स हैं, जिन्हें उनके फैन्स साथ काम करता देखना चाहते हैं. पर ऐसा कब होगा, कब नहीं, यह कोई भी नहीं जानता. पर अब मंच पर कई बड़े सुपरस्टार्स को लाने की धांसू प्लानिंग हो गई है. अमेजन प्राइम वीडियो पर क्या होने वाला है, जिसने फैन्स को खुश कर दिया है. काजोल और ट्विंकल खन्ना एक साथ आ रही हैं, लेकिन यह कोई फिल्म नहीं है. बल्कि करण जौहर को पीछे छोड़ते हुए दोनों एक बड़े चैट शो को होस्ट करने की तैयारी में हैं. इस नए शो में कई एक्टर्स का अनफिल्टर्ड अंदाज दिखेगा.

इस चैट शो की शुरुआत से पहले ही काफी बज है. वजह है आमिर खान, शाहरुख खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन. कहा जा रहा है कि यह ए-लिस्टर्स स्टार्स भी शो में धमाल मचाते नजर आएंगे. हाल ही में फिल्मफेयर पर एक रिपोर्ट छपी थी, जहां इस बात का खुलासा हुआ है. नई रिपोर्ट से पता लगा कि इस आने वाली सीरीज में खूब सारा ह्यूमर, पुरानी यादें और पर्दे की पीछे की कहानियों को बताया जाएगा. दर्शक किसी भी एक्टर को सिर्फ फिल्मों के जरिए ही जानते पहचानते हैं. या फिर थोड़ा बहुत पर्सनल लाइफ के बारे में भी सुनने को मिल जाता है. पर अब वो खुद ही कई बड़े राज खोलेंगे, वो कहानियां बताएंगे, जिससे आप उन्हें एक अलग तरह से देख पाएंगे. काजोल और ट्विंकल खन्ना इस शो को होस्ट करती नजर आएंगी.हालांकि, खास बात यह है कि यहां काजोल और शाहरुख खान की जोड़ी एक बार फिर देखने को मिलेगी. ष्ठष्ठरुद्ध और 'कुछ कुछ होता है' समेत कई फिल्मों में धूम मचाने के बाद फिर एक बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे. लेकिन इस बार कुछ भी फॉर्मल नहीं होगा. हालांकि, काजोल के पार्टनर अजय और ट्विंकल के पति अक्षय कुमार को भी आमने-सामने आते देखने के लिए लोग एक्साइटेड हैं.कहा जा रहा है कि इस चैट शो में टोटल 8 एपिसोड्स होंगे. हर एपिसोड में अलग गेस्ट होंगे, जो जोड़ी में आएंगे. बॉलीवुड के गोल्डन ईयर को कैप्चर करने के लिए इस शो की शुरुआत की जा रही है. जिसके लिए कई एक्टर्स के नाम पर चर्चा चल रही है, जो बतौर गेस्ट पहुंचेंगे. इन सबसे हटकर हर कोई काजोल और ट्विंकल की बॉन्डिंग देखने के लिए एक्साइटेड हैं. दरअसल करण जौहर भी इसी तरह का शो होस्ट करते हैं. 'कॉफी विद करण' को टक्कर देने के लिए काजोल और ट्विंकल आ रही हैं, जो करण की ही खास दोस्त हैं।

पूनम पांडे ने अपना मजाक उड़ाने को लेकर एक बच्चे पर भड़क गईं

अक्सर अपने ग्लैमरस अंदाज और बेबाक बयानों को लेकर हॉट टॉपिक में रहने वाली पूनम पांडे एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है. हाल ही में पूनम मुंबई की सड़कों पर वड़ा पाव खाने के लिए निकलीं. इस दौरान उन्हें पैपराजी ने स्पॉट कर लिया.

हमेशा की तरह पूनम ने अपने मस्ती भरे अंदाज में पैप्स से बातचीत की, लेकिन तभी उनके साथ ऐसा कुछ हुआ जिसने ना सिर्फ उन्हें बल्कि वहां मौजूद सभी लोग की हंसी छूट गई. हुआ ये कि जब पूनम पांडे वड़ा पाव खाने के लिए एक स्टॉल पर पहुंचीं तो पैप्स के कैमरों ने उन्हें घेर लिया. पूनम ने भी उनसे अच्छे से मिलीं.वहीं अपने मजाकिया अंदाज में उन्होंने कहा - मैं अभी बहुत बुरी दिख रही हूं ना? लेकिन तभी वहां खड़ा एक मासूम बचा पूनम के पास आया और बड़ी ही मासूमियत से बोला - हां, बहुत बुरी दिख रही हो. बचे की इस मासूम लेकिन सीधे दिल पर लगने वाली बात सुनकर तो पूनम थोड़ी हैरान होकर खड़ी हो गईं. फिर वहीं तुरंत मजाकिया अंदाज में उसे पीटने लगीं और हंसते हुई कहती हैं - मार दूंगी तुझे, ऐसे नहीं बोलते. उनके इस जवाब पर वहां मौजूद सभी लोग हंसने लगे. पूनम ने बचे की मासूमियत को दिल से लिया और उसके साथ हंसते हुई दिखीं. पूनम पांडे का ये क्यूट और फनी मोमेंट वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. लोग इस वीडियो पर खूब मजेदार कमेंट कर रहे हैं. एक यूजर लिखते हैं - बचे मन के सचे. वहीं दूसरे यूजर ने लिखा - बचा ठीक ही तो बोल रहा है।

वॉर 2 के प्रमोशन में एक-दूसरे से दूर रहेंगे ऋतिक और एनटीआर

यशराज फिल्म्स ने हमेशा अपने स्पाय यूनिवर्स की फिल्मों के प्रचार के लिए अनोखी और दिलचस्प रणनीतियाँ अपनाई हैं। अब, बहुप्रतीक्षित फिल्म %वॉर 2% के प्रचार को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर को एक-दूसरे से अलग रखा जाएगा! दरअसल, %वॉर 2% में पहली बार ऋतिक और एनटीआर एक साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे, और दर्शकों के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण होने वाला है। इस तीव्र टक्कर को प्रमोशन के दौरान भी बरकरार रखने के लिए वाईआरएफ ने तय किया है कि दोनों कलाकार कभी भी एक ही मंच पर नजर नहीं आएंगे। सूत्र के अनुसार, ऋतिक और एनटीआर फिल्म के प्रचार में कभी एक साथ नहीं दिखेंगे - न किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में, न किसी प्रमोशनल वीडियो में और न किसी इवेंट में। वाईआरएफ चाहता है कि दर्शक पहले बड़े पर्दे पर इन दोनों की जबरदस्त भिड़ंत देखें, उसके बाद ही उन्हें साथ में किसी दोस्ताना माहौल में देखना चाहिए। यह रणनीति वाईआरएफ की अब तक की स्पाय यूनिवर्स फिल्मों की तरह एक और दिलचस्प पहल है। इससे पहले %वॉर% में भी ऋतिक और टाइगर श्रॉफ पहली बार फिल्म की सक्सेस पार्टी में एक साथ नजर आए थे। %पठान% के प्रचार के दौरान शाहरुख खान ने केवल सोशल मीडिया के लिए कुछ खास वीडियो शूट किए, लेकिन किसी भी प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा नहीं लिया। नतीजा - फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। सूत्र आगे बताते हैं, वायआरएफ का फोकस हमेशा स्क्रिप्ट और सरप्राइज़ एलिमेंट्स को सुरक्षित रखने पर रहा है। यही कारण है कि प्रमोशन के दौरान %नो इंटरव्यू पॉलिसी% अपनाई जाती है, ताकि कलाकार स्क्रिप्ट से कुछ न खोल दें।卐 %वॉर 2% का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है और यह फिल्म 14 अगस्त 2025 को दुनियाभर में आइमैक्स पर रिलीज होगी। फिल्म में कियारा आडवाणी भी वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स का हिस्सा बन रही हैं और इस बार उनके सबसे खतरनाक अवतार की झलक देखने को मिलेगी। फिल्म को आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है।

वाणी कपूर की पहली वेब सीरीज 25 को होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर जो पिछली बार अजय देवगन के साथ रेड 2 में नजर आई थीं। अब जल्द ही वो डिजिटल दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। इसी महीने वाणी अपनी पहली वेब सीरीज मंडला मर्डर्स के साथ ओटीटी पर डेब्यू करने वाली हैं। यह एक पौराणिक क्राइम थ्रिलर है, जिसकी कहानी कई रहस्यमयी हत्याओं के इर्द-गिर्द घूमती है। नेटफ्लिक्स ने हाल ही में इस सीरीज की रिलीज डेट का एलान किया है।25 जुलाई से होगी स्ट्रीमिंग मंडला मर्डर्स को 25 जुलाई 2025 से नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकेगा। नेटफ्लिक्स ने इस सीरीज का एक दिलचस्प पोस्टर भी इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है- हर वरदान में एक श्राप छुपा है, मोल चुकाने का वक्त जल्दी आने वाला है मंडला मर्डर्स देखें, 25 जुलाई को, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर। क्या है कहानी सीरीज की कहानी एक काल्पनिक शहर चरनदासपुर की है। यहां एक के बाद एक हत्याएं होती हैं, जो किसी रहस्यमयी सीक्रेट सोसायटी से जुड़ी होती हैं। इन हत्याओं के पीछे सदियों पुराना एक रहस्य और भविष्यवाणी छुपी होती है। मुख्य किरदारों री थॉमस और विक्रम सिंह के रूप में दो जासूस इस केस की तह तक पहुंचने की कोशिश करते हैं। जांच के दौरान उन्हें एक ऐसा सच पता चलता है, जो किस्मत, पागलपन और विश्वास की सीमाओं को धुंधला कर देता है। स्टारकास्ट इस थ्रिलर सीरीज में वाणी कपूर के साथ नजर आएंगे- वैभव राज गुप्ता, श्रिया पिलगांवकर, सुरवीन चावला, सैमी जोनास हेनी, जमील खान मंडला मर्डर्स में मिस्ट्री, सस्पेंस, थ्रिल और पौराणिकता का ऐसा मेल देखने को मिलेगा, जो दर्शकों को एक अनोखी दुनिया में ले जाएगा। वाणी कपूर का किरदार इस सीरीज की जान होगा, जिसमें वह अब तक से बिल्कुल अलग अवतार में नजर आएंगी। अगर आप थ्रिल और रहस्यों से भरी कहानियों के शौकीन हैं, तो मंडला मर्डर्स को मिस न करें। 25 जुलाई से यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

खुशी मुखर्जी बिग बॉस जैसे शो में काम नहीं करना चाहती

सोशल मीडिया सेंसेशन खुशी मुखर्जी ने इस समय सोशल मीडिया को हिलाकर रख दिया है. हाल ही में खुशी मुखर्जी काफी बोल्ड लुक में नजर आई थीं. जिसके बाद से ही लोग खुशी मुखर्जी को ट्रोल कर रहे हैं. फलक नाज, उर्फी जावेद और पूनम पांडे जैसे सितारे खुशी मुखर्जी पर कमेंट कर चुके हैं. वहीं सोशल मीडिया पर भी लगातार खुशी मुखर्जी के बारे में ही बात हो रही है. इसी बीच दावा किया जाने लगा है कि सलमान खान के विवादित रिएलिटी शो बिग बॉस 19 में खुशी मुखर्जी की एंट्री हो सकती है. ऐसे में खुद खुशी मुखर्जी ने इस बात का खुलासा कर दिया है कि क्या वो बिग बॉस 19 में जाना पसंद करेंगी या फिर नहीं... खुशी मुखर्जी का जवाब जानकर आपको भी झटका लग जाएगा. बॉलीवुड लाइफ हिंदी से बात करते हुए खुशी मुखर्जी ने कहा, मैं एक ऑडियंस के तौर पर बिग बॉस 19 का हिस्सा बनना चाहूंगी. आगे खुशी मुखर्जी ने कहा, मेरी पहचान केवल मेरा शरीर और खूबसूरती नहीं है. मैं उससे कहीं यादा हूं. ऑडियंस के तौर पर मैं खुद को खुद से कनेक्ट कर पाऊंगी. खुशी मुखर्जी ने सलमान खान को शो के लेकर ऐसा बयान दे दिया है कि सोशल मीडिया पर फिर से बवाल मच गया है. लगता है कि खुशी मुखर्जी बिग बॉस 19 जैसे शो में काम नहीं करन चाहती हैं. यही वजह है जो खुशी मुखर्जी इस शो को बाहर से देखने की बात कर रही हैं.इसके अलावा खुशी मुखर्जी ने फलक नाज के बयान के बारे में भी बात की है. खुशी मुखर्जी ने जब फलक नाज का वीडियो देखा तो वो चौंक गईं. इस वीडियो में फलक नाज ने सरकार से खुशी मुखर्जी के बोल्ड कपड़े बैन करने की मांग की थी. जिसके बाद खुशी मुखर्जी ने भी फलक नाज पर पलटवार किया. खुशी मुखर्जी ने कहा, वो एक दूसरे महिला की बेइजती करके फेम कमाने की कोशिश कर रही है।

घर में घुसकर मारपीट कर मोटरसाइकिल छीनने वाले आरोपी को गौरझामर पुलिस ने किया गिरफ्तार

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | थाना गौरझामर क्षेत्र निवासी पुष्पेन्द्र सिंह दांगी द्वारा थाना में एक लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें बताया गया कि आरोपी विजय दांगी उनके घर में जबरन घुस आया और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। पैसे नहीं देने पर आरोपी ने फरियादी के साथ गाली-गलौच करते हुए लात-घूंसे से मारपीट की।

जब फरियादी की माता संगीता दांगी एवं पिता चन्द्रभान दांगी बीच-बचाव हेतु आए तो आरोपी ने उनके साथ भी हाथापाई कर शारीरिक चोटें पहुंचाईं।

इसके अतिरिक्त, आरोपी ने घर के आंगन में खड़ी मोटरसाइकिल को जबरन छीनने का प्रयास किया।

उक्त शिकायत के आधार पर थाना गौरझामर में अपराध क्रमांक 148/2025 धारा 119(1), 309(4), 309(6), 333, 296, 351(2) BNS के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

श्रीमान पुलिस अधीक्षक श्री विकास कुमार शाहवाल, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री लोकेश कुमार सिन्हा एवं श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) श्री शशिकांत सरयाम के निर्देशन में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा आरोपी की घेराबंदी कर उसे सरखेड़ा से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपी विजय दांगी पिता देवीसिंह दांगी उम्र 36 वर्ष निवासी सरखेड़ा एक आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध पूर्व से 45 आपराधिक प्रकरण विभिन्न थानों में पंजीबद्ध हैं। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक नसीर फारूकी के नेतृत्व में प्रआर. 951 अनिल कन्नौजिया, प्रआर. 529 शैलेन्द्र, प्रआर. 906 अशोक चौहान, आर. 1642 दीपेश, आर. 734 शिवप्रताप, आर. 208 प्रमोद बरार, आर. 123 अरुण पारासर एवं आर. 482 दुर्गेश की सराहनीय भूमिका रही।

दो वर्ष से छात्र कुंअर सींग गौड़ छात्र वृत्ति के लिए परेशान

आधार कार्ड जन्मप्रमाण पत्र के अनुसार नहीं लिखी गई स्कूलों में अंकसूचियों पर जन्म तारीख

• सागर, प्रतिनिधि

केसली - विकासखंड केसली अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला महका पिपरिया में कुंअर सींग गौड़ ने कक्षा पहली में प्रवेश लेने हेतु सभी आवश्यक दस्तावेज दिये दस्तावेजों में छात्र की जन्म तारीख सात दो दो हजार नौ स्पष्ट थी स्कूल प्राचार्य के द्वारा छात्र कुंअर सींग गौड़ पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण करता है तो उसको शास.प्राथ. शाला महका पिपरिया से मनगढ़ंत उसकी जन्म तारीख अंकसूची में बदलकर सात दो दो हजार नौ अंकसूची में कर दी जाती है

अब सोचिए कि विकासखंड केसली में शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल प्राचार्य द्वारा की गई लापरवाही से छात्र लगभग दो वर्ष से छात्रवृत्ति के लिए परेशान हो रहा है कक्षा पाचवी से आठवीं दसवीं बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करता गया आगामी #कक्षाओं में प्रवेश मिलता रहा पर जब उसको छात्रवृत्ति की जरूरत क्या पड़ी स्कूल प्रबंधन द्वारा की गई जन्म तारीख में गलती अब उसको परेशानी बनी हुई अब छात्रवृत्ति के लिए कहा गया कि आधार कार्ड सुधार करवाईये तो छात्र कभी स्वास्थ्य केन्द्र केसली जन्म स्थल जाता है तो कभी लोकसेवा केन्द्र में आधार कार्ड सुधरवाने को चक्कर लगा रहा है !

इनका कहना है कि -

इस संबंध में संबंधित अधिकारी से बात की गई तब उन्होंने कहा कि आपके द्वारा छात्रवृत्ति समस्या संबंधित मामला संज्ञान में आया है जो भी छात्र की समस्या है किसकी लापरवाही जांच करवाता हूं जो भी दोषी पाया जाता है तो उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी -मेहरवान सींग बीआरसी केसली

तेज बारिश के बीच तिरपाल लगाकर लोगों ने किया दाह संस्कार

जनपद पंचायत माल्थोन के ग्राम पंचायत गडोली में नहीं है मुक्तिधाम

• सागर, प्रतिनिधि

महेंद्र पाण्डेय | मालथोन। आपको बता दें कि सरकार नागरिकों की सुविधा के हर छोटे बड़े गांव एवं कस्बों के लिए लाखों करोड़ों रुपए खर्च कर रही है कि लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल सके हैं वह किसी भी सुविधाओ से वंचित न रहे पर इसका परिणाम उल्टा देखने को मिल रहा है किसी को पता नहीं आज जो सामने आया है वो आपको सोचने पर मजबूर कर देगा जनपद पंचायत माल्थोंन के ग्राम पंचायत गडौली में झमाझम बारिश के बीच में गांव के एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई और उसे इसी तेज बारिश के बीच में दाह संस्कार के लिए लेजाया गया मुक्तिधाम ना होने के कारण उस व्यक्ति को तिरपाल के सहारे उस व्यक्ति का दाह संस्कार किया गया इस गांव में मुक्तिधाम नहीं है और जिससे लोगों ने तिरपाल के सहारे इकट्ठा होकर दाह संस्कार करने को लोग मजबूर हैं ऐसे में बारिश का समय है और बरसात के चलते अगर किसी व्यक्ति की आ अचानक मृत्यु होती है तो उसे इसी तरह दाह संस्कार करने पर ग्रामवासी बरसात के मौसम में परेशानी का सामना करते हैं यहां पर मुक्ति धाम नहीं हैजिससे पूरा गांव इस परेशानी से जूझ रहा है

बरसात में कचरे और दुर्गंध से परेशान मुहल्लेवासी

• सीधी, प्रतिनिधि

ए पी शर्मा सीधी। नगर पालिका परिषद सीधी के वार्ड क्रमांक 12 अर्जुन नगर सोनी कॉलोनी के सामने बरसात में कचरे और दुर्गंध से नागरिक काफी परेशान हैं। मुहल्लेवासियों ने बताया कि नगर पालिका परिषद द्वारा यहां साफ-सफाई न करने से नालियां कचरे से पूरी तरह से अवरुद्ध हैं। जगह-जगह खाली भूमि में कचरे का ढेर लगा हुआ है। बरसात में इसी वजह से यहां का पूरा माहौल दुर्गंध से सराबोर है। नागरिकों द्वारा नगर पालिका प्रशासन से जल्द से जल्द सफाई की मांग की गई है

मौसी को करता था परेशान,उतार दिया मौत के घाट,अवैध संबंध बने हत्या की वजह

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर में एक कत्ल में पुलिस ने हत्या के कारणों का खुलासा किया है। हत्या अवैध संबंधों के कारण हुई। मृतक महिला पर मिलने का दबाव बना रहा था। महिला ने परिवार वालों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद आरोपियों ने हत्या की।

सागर के जैसीनगर में जंगल चौकी के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। शव बुरी तरह गल चुका था। मृतक की पहचान रायसेन जिले के बेगमगंज थाना में रहने वाले भारत के रूप में हुई । पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के सिर में भारी वस्तु से वार करने और गला घुटने से मौत होना आया था। इसके बाद जैसीनगर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया और बारीकी से जांच की। जांच के बाद यह पूरा मामला अवैध संबंधों का निकला। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जिन्होंने अपना जुर्म कबूला है।

जैसीनगर थाना प्रभारी शशिकांत गुर्जर ने बताया कि शव पुराना होने से पहचान करना काफी मुश्किल था लेकिन शव के पास से मिले कपड़े चैन अंगूठी से पहचान हल्ले उर्फ़ भारत कुशवाहा निवासी ग्राम भुरेरू थाना बेगमगंज के रूप में हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पूरा मामला हत्या का सामने आया। इसके बाद सागर पुलिस ने एक टीम गठित की। टीम ने मौके से तकनीकी विश्लेषण वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर कंदेला गांव निवासी रोहित कुशवाहा को हिरासत में लिया। इससे पूछताछ की तो उसने अपराध करना स्वीकार कर लिया।

आरोपी ने बताया कि उसकी मौसी माया कुशवाहा जिनकी शादी भुरेरी गांव में हुई है, वहां का रहने वाला भारत कुशवाहा मौसी को मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है। पूछताछ में सामने आया कि माया कुशवाहा का मृतक भारत से 2 वर्ष से अवैध संबंध थे। एक वर्ष से ये विवाद शुरू हुआ। जब भारत जबरदस्ती संपर्क करने की कोशिश करता रहा। इसी बीच उसने माया से मारपीट भी की और जान से मारने की धमकी दी। इससे परेशान होकर माया ने पूरी जानकारी अपने बहन के लड़के रोहित को बताई। रोहित ने यह जानकारी बिजोरा गांव में रहने वाले उसके मामा विष्णु पटेल को बताई। उसके बाद रोहित ने किसी तरह भारत को कंदेला लाने की बात अपनी मौसी माया से की।

23 जून को माया ने भारत को किसी बहाने से कंदेला बुलवाया, जिसके बाद रोहित ने अपने मामा विष्णु पटेल और उनके दोस्त गजब सिंह के साथ मिलकर भारत कुशवाहा की हत्या की। तीनों आरोपियों ने भारत के सिर पर पत्थर पटके फिर गमछे से उसका गला घोट दिया। उस पर कुल्हाड़ी से भी वार किया। घटना के बाद मृतक का मोबाइल छुपा दिया और पर्श को सड़क पर फेंक दिया।

पुलिस ने आरोपी माया कुशवाहा,रोहित कुशवाहा, विष्णु पटेल और गजब सिंह को गिरफ्तार कर हत्या की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों को जेल भेज दिया गय है।

जंगल में मिली महिला की खोपड़ी और कंकाल

» अज्ञात महिला की शिनाख्त कराने में जुटी सेमरिया पुलिस
» कंकाल की खबर से सेमरिया क्षेत्र में फैली सनसनी

• सीधी, प्रतिनिधि

ए पी शर्मा सीधी। | जिले के सेमरिया थानांतर्गत करौंदिया के जंगल में एक महिला का कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही सेमरिया थाना प्रभारी केदार परौहा भी पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। मिली जानकारी के अनुसार आज करौंदिया गांव के समीप जंगल में एक महिला का मानव कंकाल देखा गया। यह इलाका गांव की बस्ती से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित है। ग्रामीण जब जंगल की ओर गए तो उन्होंने मानव अस्थियां बिखरी देखीं। सिर की खोपड़ी और पैर की हड्डी लगभग 30 मीटर की दूरी पर पाई गईं, जिससे किसी अनहोनी की आशंका और गहराती जा रही है। कंकाल के पास साड़ी, पेटीकोट और महिलाओं द्वारा पहने जाने वाली 6 नंबर की चप्पल मिली है, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि कंकाल किसी महिला का हो सकता है। यह खबर इलाके में फैलते ही सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दीए जिसके बाद सेमरिया थाना प्रभारी केदार परौहा के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने कब्जे में लिया। पुलिस द्वारा किस महिला का कंकाल है इसके प्रयास भी शुरू किए गए हैं।

विवेचना में जुटी फॉरेंसिक टीम

सेमरिया थाना प्रभारी केदार परौहा द्वारा करौंदिया के समीपी जंगल में महिला की खोपड़ी, कंकाल, साड़ी, पेटीकोट और चप्पल मिलने की सूचना अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। कुछ समय बाद फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और विवेचना में घंटों जुटी रही। विवेचना में यह जानने का प्रयास किया गया कि मानव कंकाल कितना पुराना है। साथ ही आसपास से साक्ष्य एकत्रित करने के प्रयास शुरू किए गए।

इनका कहना है।

हमें ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि करौंदिया के समीपी जंगल में मानव कंकाल मिला है। फिलहाल हम कुछ भी पुख्ता तौर पर नहीं कह सकते। प्रथम दृष्टया यह मानव कंकाल महिला का प्रतीत हो रहा है, क्योंकि उसके आसपास महिला से जुड़े हुए समान मिले। लेकिन इसकी पुष्टि फॉरेंसिक जांच के बाद ही संभव होगी। पुलिस ने मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुला लिया है, जो कंकाल और उसके आसपास के साक्ष्यों की बारीकी से जांच में लगी है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महिला की मौत कैसे हुई और उसकी पहचान क्या है।

• केदार परौहा, थाना प्रभारी सेमरिया।

आमडाड मार्ग पर सड़क दे रहीं हादसे को आमंत्रण

ब्रिज निर्माण के चलते लगा मिट्टी का ढेर

• सीधी, प्रतिनिधि

ए पी शर्मा सीधी। पटेहरा घटिया से आमडाड होते हुए बसेड़ी, कुड़िया, मढ़ा सहित कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग इन दिनों जानलेवा बन चुका है। क्षेत्र में रेलवे ब्रिज निर्माण कार्य जोरों पर है, लेकिन निर्माण में लगे भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क पर लगातार मिट्टी जमा हो रही है।

हल्की सी बारिश में यह मिट्टी फिसलन का कारण बन जाती है, जिससे बाइक सवार और राहगीर आए दिन गिरकर घायल हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा न तो सड़क की सफाई कराई जाती है और न ही कोई वैकल्पिक सुरक्षा उपाय किए गए हैं। ग्रामीणों ने कई बार संबंधित ठेकेदार को शिकायत की है, लेकिन हर बार अनसुनी कर दी जाती है। जब थोड़ी सी बारिश में रोड पर मिट्टी कीचड़ बन जाती है, तो बाइक फिसल जाती है। कई बच्चे और बुजुर्ग गिरकर घायल हो चुके हैं, यह कहना है कुड़िया गांव के एक ग्रामीण का। स्थानीय ज न प्र ति नि धि यों और प्रशासन से मांग है कि इस मार्ग पर तत्काल सफाई की व्यवस्था कराई जाए, ठेकेदार को सख्त चेतावनी दी जाए, और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। यदि जल्द ही कोई कार्रवाई नहीं होती, तो ग्रामीणों द्वारा विरोध प्रदर्शन या कार्यस्थल पर घेराव की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता हैं।

जुताईकरने जा रहा ट्रैक्टर पलटा, चालक की मौत

जमोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धनखोरी की घटना

ए पी शर्मा सीधी। जमोड़ी थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत धनखोरी में खेत जुताई करने जा रहे तेज रफ्तार टैक्टर के अनियंत्रित होकर पलटने से चालक की मौत हो गई। परिजनों को जानकारी होने पर घर में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी होने पर घर में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी और मां का रो-रो कर बुरा हाल था। जानकारी के अनुसार सेमरिया थाना अंतर्गत बम्हनी निवासी संतोष कोल पिता छोटेलाल कोल उम्र 26 वर्ष कुछ दिनों से पुष्पेंद्र पाण्डेय निवासी धनखोरी के ट्रैक्टर में ड्राइवर का काम करता था। आज सुबह तकरीबन आठ बजे ट्रेक्टर लेकर खेत जुताई करने के लिए जा रहा था कि रास्ते में ट्रेक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया।

जब तक ग्रामीण दौड़े तो चालक की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर जमोड़ी थाना प्रभारी दिव्यप्रकाश त्रिपाठी अपने दल बल के साथ घटना स्थल में पहुंचे और जेसीबी के माध्यम से ट्रेक्टर को उठा कर शव बाहर निकलवाया गया। पंचनामा एवं पोस्टमार्टम कार्रवाई के पश्चात शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

मध्य प्रदेश शासन के शासकीय स्कूलों की हालत किसी से छुपी नहीं है समय से पूर्व स्कूल कर दिया जाता है

» बंद बच्चों का भविष्य अंधकार में
» गौरझामर संकुल का मडखेड़ा स्कूल पाया गया बंद

• सागर, प्रतिनिधि

सागर-मध्य प्रदेश के शासकीय स्कूलों की हालत किसी से छुपी नहीं है और जहां पर बड़ी मुश्किलों से बच्चों के अभिभावक बच्चों का एडमिशन करने से कतराते हैं क्योंकि वहां पर जो शासकीय अध्यापक हैं वह ना तो नियमित स्कूल पहुंचते हैं और ना ही समय तक बच्चों को पढ़ते हैं यही हाल देवरी विकासखंड के गौरझामर संकुल की मडखेरा पंचायत का है जहां पर शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला मरखेडा स्कूल बना हुआ है और जो गांव से लगा हुआ है जहां पर सोमवार के दिन स्कूल में ताला लटका हुआ था जब वहां के लोगों से जानकारी ली तो उन्होंने नाम न बताकर बताया कि अध्यापक समय से पूर्व ही स्कूल बंद कर चले जाते हैं जबकि जिस समय 2.35 पर स्कूल बंद कर जा चुके होंगे या स्कूल नहीं खुला होगा क्योंकि जब हमारे संवाददाता वहां से गुजर रहे थे तो स्कूल के गेट पर ताला पड़ा हुआ था आखिरकार जब शासन का निर्धारित समय निश्चित है तो समय से पूर्व स्कूल बंद क्यों कर दिया जाता है आखिरकार अधिकारियों के निर्देश होने के बाद भी इतनी बड़ी लापरवाही और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है इसी कारण से अभिभावकों का शासकीय स्कूलों से विश्वास उठता जा रहा है और प्राइवेट स्कूलों की भरमार हो रही है और सरकारी स्कूलों की हालत किसी से छुपी नहीं है यदि समय रहते इस तरफ आधिकारी ध्यान नहीं देंगे तो शासकीय स्कूलों में अभी बाबा अपने बच्चों का एडमिशन नहीं करेंगे

इनका कहना यह है कि देवरी बी आर सी राजकुमार लोधी को तत्काल इसकी जानकारी दी तो उन्होंने कहा यदि स्कूल बंद है तो समस्त टीचरों का नियम अनुसार उनका एक दिन का वेतन काटा जाएगा और नियम विरुद्ध तरीके से स्कूल बंद पाए जाने पर उनके ऊपर करवाई की जाएगी। • राजकुमार लोधी बी आर सी देवरी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698